mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-119 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

02 मई 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

वैभव सूर्यवंशी को ...
@ पेज 7

हिंदुस्तान में नहीं रह सकते बच्चे, पाकिस्तान नहीं लौट सकती मां

भोपाल (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इसका असर सीमा पर ही नहीं, बल्कि उन परिवारों की जिंदगियों पर भी

● भोपाल में फंसी समरीन ने सुनाया अपना दर्द

पड़ा है, जो पाकिस्तान से हिंदुस्तान आए। ऐसा ही एक मामला समरीन नाम की महिला का है, जो भोपाल की हैं और उनकी शादी पाकिस्तान में हुई है। अब वीजा विवाद की वजह से वो परेशान हैं। समरीन की शादी पाकिस्तान में हुई है और उनके दोनों बच्चों का जन्म भी पाकिस्तान में हुआ है।

बच्चों का वीजा रद्द, मां की स्थिति: समरीन भारतीय मूल की हैं, लिहाजा उन्हें वीजा की जरूरत नहीं, लेकिन उनके दोनों बच्चे पाकिस्तान मूल के हैं और शॉर्ट टर्म वीजा पर भारत आए थे। समरीन, भारतीय पासपोर्ट पर पाकिस्तान का लॉन्ग टर्म टूरिस्ट वीजा लेने के लिए आई थीं, लेकिन पहलगाम हमले के बाद सरकार ने सभी शॉर्ट टर्म वीजा रद्द कर दिए हैं और समरीन के दोनों बच्चों को पाकिस्तान वापस जाने के लिए कहा गया है। समस्या यह है कि समरीन के दोनों बच्चे बेहद छोटे हैं और अकेले पाकिस्तान नहीं जा सकते और समरीन भारत से हैं, इसलिए पाकिस्तान उन्हें वीजा नहीं दे रहा, जिससे समरीन काफी परेशान हैं।

बच्चे पहली बार आए थे भारत: समरीन के दो बच्चे हैं, एक 1.5 साल की बेटी जुनैरा और 6 साल का बेटा मोहम्मद सजील है। दोनों पहली बार भारत आए थे। समरीन के पति शिपिंग कंपनी में काम करते हैं और दुबई में पोस्टेड हैं, जबकि पाकिस्तान में सिर्फ उनकी सास रहती हैं, जो खुद बीमार हैं। ऐसे में बच्चों को अकेले पाकिस्तान नहीं भेज सकती हैं।

समरीन ने लगाई मदद की गुहार: समरीन का कहना है कि हमले के बाद पुलिस ने उनके वीजा और डाक्यूमेंट्स देखें और कहा कि सरकार का जो फैसला होगा वो आपको बता दिया जाएगा। फिलहाल, मैंने बच्चों के वीजा एक्सटेंशन की एप्लीकेशन दी हुई है। समरीन का कहना है कि या तो सरकार उनके बच्चों के वीजा को एक्स्टेंड करे या फिर उन्हें पाकिस्तान का वीजा दिलवाने में मदद करे, ताकि वो अपने बच्चों को लेकर पाकिस्तान जा सकें। पहलगाम हमले को लेकर समरीन ने कहा कि जो लोग मारे गए हैं उनके परिवार के लोग ही इस दर्द को जानते हैं और जिन्होंने यह किया है उन्हें सख्त सजा दी जाए।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षिका ने 16 साल के छात्र के साथ दर्जनों बार बनाया यौन संबंध, देती थी ड्रग्स

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पेंसिलवेनिया में हाईस्कूल की एक महिला शिक्षिका अपने 16 साल के नाबालिग छात्र के साथ वर्षों से शारीरिक संबंध बना रही थी। इसके लिए वह छात्र के घर पर ही जाया करती थी। सेक्स टाइमिंग बढ़ाने के लिए छात्र को ड्रग्स दिया करती थी और खुद भी लेती थी। आरोपों के अनुसार शिक्षिका छात्र के पैतृक घर में ही दर्जनों बार यौन संबंध बना चुकी है। वह उसे मारिजुआना नामग ड्रग्स देती थी। महिला टीचर

पर नाबालिग छात्र को ड्रग्स पिलाकर शरीरिक संबंध बनाने समेत 63 आरोप लगाए गए हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार महिला शिक्षिका के खिलाफ की गई एक आपराधिक शिकायत के अनुसार यह सनसनीखेज मामला पेनसिल्वेनिया के चेस्टर काउंटी के कोनेस्टोगा हाई स्कूल का है। जहां 35 वर्षीय शिक्षिका मिशेल मर्कोग्लियानो ने कथित तौर पर किशोर छात्र के साथ लगभग एक दर्जन बार यौन संबंध बनाया। शिक्षिका उसके लिए मारिजुआना ड्रग्स खरीदने के लिए साथ ले जाती थी। अमेरिका पुलिस ने शिकायत में लिखा है, ÷मारिजुआना डिस्पेंसरी में जाने के बाद मर्कोग्लियानो और [किशोर] एक साथ मारिजुआना पीते थे और सेक्स करते थे। शिकायत में लिखा गया है कि शिक्षिका आमतौर पर छात्र के घर के एक बेडरूम में शारीरिक संबंध स्थापित करती थी।

रूस और उत्तर कोरिया में हुई एक बड़ी डील

सियोल (एजेंसी)। यूक्रेन के साथ चल रहे भीषण युद्ध के बीच रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुई एक बड़ी डील ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने दोनों देशों के बीच दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत उत्तर कोरिया और रूस ने अपना पहला सड़क संपर्क मार्ग बनाना शुरू कर दिया है। इस सूचना के जारी होते ही दुनिया भर में सनसनी फैल गई है। दोनों देशों ने अपने इस सड़क परियोजना की घोषणा कर दी है। इसे आगामी

करीब डेढ़ वर्ष में तैयार कर लिया जाएगा। दोनों देशों ने अपनी-अपनी सीमाओं से जुड़ी नदी पर पुल का भी निर्माण करने का भी ऐलान किया है, जो उनके बढ़ते संबंधों को और आगे बढ़ाएगा। रूस की 'तास' समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पुल एक किलोमीटर लंबा होगा और इसके निर्माण में डेढ़ साल का समय लगने की उम्मीद है। उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि पुल लोगों की सीमा पार यात्रा, पर्यटन और वस्तुओं के आदान प्रदान को सुगम बनाएगा। यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया पर रूस को हथियार देने का आरोप लगता रहा है। अब दोनों देशों के बीच सीधा सड़क मार्ग संबंध विकसित होने से हथियारों की सप्लाई में और तेजी आने की आशंका है। इससे यूक्रेन से लेकर अमेरिका तक में हड़कंप मच गया है। बता दें कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध और विनिमय कार्यक्रम बढ़े हैं तथा यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया गोला-बारूद और सैनिकों की आपूर्ति कर रहा है। एक रेलवे पुल और हवाई सेवा पहले से ही उत्तर कोरिया और रूस को जोड़ती है और जून 2024 में दोनों देश टुमेन नदी पर ऑटोमोबाइल के लिए एक पुल बनाने पर सहमत हुए जो रूस एवं चीन के साथ उत्तर कोरिया की सीमाओं पर बहती है।

'हर आतंकी को चुन-चुनकर मारेंगे, किसी को बख्शा नहीं जाएगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि आतंक के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। पहलगाम हमले में शामिल एक-एक आतंकी को हम चुन-चुन कर मारेंगे। सरकार किसी को नहीं बख्शेगी। अमित शाह ने कहा कि पहलगाम में जो हमारे भाई बहन आतंक के भेट चढ़े उनको श्रद्धांजलि। उनके परिवार से कहना चाहता हूं ये दुख सिर्फ उनका नहीं पूरे देश का दुख है। हम पूरे देश को बताना चाहते हैं कि देश के पीएमआतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं। पहलगाम के हमले की बाद अगर वो समझ रहे है कि ये उनकी जीत है। तो गलत समझ रहे हैं।

साफ-सफाई को लेकर भी बड़ा ऐलान

दिल्ली में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर लगेगी रोक, की जायेगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त कार्रवाई को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ऐलान किया है कि स्कूलों, धार्मिक स्थलों और बाजारों में सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई जाएगी। इसके साथ ही, ऐसे स्थानों पर इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सार्वजनिक स्थानों की सफाई को लेकर भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राजधानी दिल्ली की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई को दिन में दो बार किया जाएगा। यह कदम दिल्ली को साफ-सुथरा और विकसित बनाने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य दिल्ली को एक सुंदर और विकसित दिल्ली बनाने का है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुवार को श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की सालाना स्वास्थ्य जांच कराए जाने का ऐलान किया। वहीं, उनके लिए दोपहर से अपराह्न 3.0 बजे तक का समय आराम करने के लिए तय करने के संबंध में अधिसूचना जारी करेगी। %अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस% पर श्रमिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार आजीविका के लिए दिल्ली आने वाले लोगों के बेहतर जीवन और बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सिंगल-यूज प्लास्टिक वैसा प्लास्टिक होता है जिसे एक बार इस्तेमाल करने के बाद फेंक दिया जाता है, जो दोबारा इस्तेमाल के लिए नहीं होता है। इन प्लास्टिक वस्तुओं को आमतौर पर सुविधाजनक और तात्कालिक इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया जाता है। यह प्लास्टिक पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि यह लंबे समय तक विघटित नहीं होता। ऐसे प्लास्टिक समुद्रों, नदियों और भूमि में जमा होकर पॉल्यूशन को बढ़ाता है, इसलिए सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करना चाहिए। सरकार और विभिन्न संस्थानों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए वैकल्पिक समाधान जैसे- बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक और री-यूजेबल सामग्रियों का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

शाइन सिटी ग्रुप के प्रमोटर राशिद नसीम को लखनऊ की कोर्ट ने घोषित किया भगोड़ा आर्थिक अपराधी

लखनऊ (एजेंसी)। शाइन सिटी घोटाले में ईडी को बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ की विशेष अदालत ने शाइन सिटी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के प्रमोटर राशिद नसीम को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया है। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस करीब 554 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपये की ठगी की गई। लुभावने रिटर्न का वादा कर लोगों से पैसा वसूला गया और फिर राशिद नसीम फरार हो गया। शाइन सिटी घोटाले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की थी। जिसमें कई खुलासे हुए। ईडी अब तक 189.39 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। जांच में सामने आया कि राशिद नसीम भारत छोड़कर दुबई भाग चुका है। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट, लुकआउट सर्कुलर और रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है।

सुल्तानपुरी में भी सीलमपुर जैसा हत्याकांड

21 साल के सूरज को चाकुओं से गोद डाला, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में बुधवार को चाकू मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई। हथियारबंद बदमाशों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी जान ले ली। परिजनों का आरोप है कि पुरानी रंजिश के कारण ये हत्या की गई है। मृतक की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 21 साल बताई जा रही है। युवक की कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि 2-3 साल से झगड़ा कर रहा था। चांद का झगड़ा था। चांद यूट्यूबर था, उसके साथ में ये लोग आए थे। हॉस्पिटल के पास आए और कार आगे लगाकर सूरज को रोका फिर चाकू मारकर चले गए। आरोपी 2-3 बाइक पर आए थे। इमरजेंसी वार्ड में उसे देखने नहीं दिया। पुलिस ने मदद नहीं की। उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग इलाके में महिलाओं के सार्वजनिक शौचालय के बाहर खड़े होने से मना करने पर दो नाबालिगों ने दो पुरुषों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 25 अप्रैल की रात करीब आठ बजे उस समय हुई, जब पीड़ित

बीपत और नरेश ने इलाके में महिलाओं के सार्वजनिक शौचालय के प्रवेश द्वार पर खड़े आरोपियों को टोका था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आपत्ति से गुस्साए दोनों नाबालिगों ने पीड़ितों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे 'बीपत के सिर और कंधे पर गहरे घाव हो गए और नरेश के पेट में गंभीर चोट आई'। अधिकारी ने बताया कि दोनों को इलाज के लिए दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद गुलाबी बाग थाने में मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

'दिल्ली हाट बाजार' में लगी भीषण आग

भीषण आग में 30 दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में स्थित प्रसिद्ध दिल्ली हाट बाजार में बुधवार को भयानक आग लग गई जिसमें करीब 30 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। हालांकि, एक अच्छी बात ये रही कि इस हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली फायर सर्विसेज की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है। वरिष्ठ के मुताबिक, आग इतनी ज्यादा थी कि इसे बुझाने के लिए दमकल की 14 गाड़ियों को मौके पर मशक्कत करनी पड़ी है।

डीसीपी साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट ने बताया, ÷30 अप्रैल को रात करीब 8ः45 बजे दिल्ली हाट में आग लगने की सूचना पीएस सरोजिनी नगर को पीसीआर कॉल पर मिली। कॉल मिलते ही साह्न पुलिस स्टाफ के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और पाया कि दिल्ली हाट के स्टेज एरिया में स्थित करीब 24 टेंडर की दुकानों में आग लग गई थी। एहतियात के तौर पर इलाके को तुरंत खाली करा दिया गया। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक आग में 24 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर मौजूद हैं और आग के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।÷

दिल्ली हाट में आग लगने को लेकर एक दुकान मालिक ने कहा- ÷यहां आग लगने से काफी बड़ा नुकसान हुआ है। मैंने दमकल की गाड़ियां बुलाई। आग में करीब 27 से 28 दुकानें जलकर खाक हो गई। हम मान रहे हैं कि आग लगने की इस घटना का कारण शॉर्ट सर्किट है।÷

दिल्ली हाट में आग लगने की घटना की सूचना पर दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा- ÷जैसे ही मुझे आग की घटना के बारे में पता चला, मैं यहां पहुंचा... करीब 26 दुकानें आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गई हैं। कारीगरों और इन दुकानों को चलाने वालों को नुकसान हुआ है।

एमपी के मंदसौर में 3 मई को लगेगा किसान मेला

सीएम मोहन यादव करेंगे उद्घाटन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 मई को मंदसौर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कृषक सम्मेलन एवं कृषि उद्योग समागम का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह समेत कई लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस मौके पर सीएम मोहन यादव खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने के लिये इच्छुक निवेशकों के साथ संवाद भी करेंगे।

किसान मेला एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन : जानकारी के अनुसार, उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई को मंदसौर जिले के सीतामऊ में किसान मेला एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन किया जायेगा। किसान मेले में किसानों को उन्नत

तकनीकों, बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों, शासन की योजनाओं एवं कृषि प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

आधुनिक कृषि यंत्रों और नए बीजों के लगेंगे स्टाल: मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों, नवीनतम बीजों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। एक्सपो में किसानों से जुड़े विविध तरह के राज्य स्तरीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल्स के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी, खेती-किसानी की जानकारी और नवाचारों के संबंध में बताया जाएगा।

किसान मेले में नई प्रजातियों के बीज उर्वरक, पेस्टीसाइड आदि, बैंकर्स एवं फसल बीमा, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, संरक्षित खेती, वर्मी बेड, मल्चिंग, पौंड प्लास्टिक लाइन (पोली/शेडनेट हाउस आदि), खाद्य प्र-संस्करण, ओडीओपी, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस), केज कल्चर, बायोफ्लॉक एवं मत्स्य महासंघ का डिस्पले, चलित पशु चिकित्सा इकाई, आदर्श गौशाला, सार्टेड सेक्सड सीमन, एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक, सांची मिल्क पार्लर एवं मिल्क क्वालिटी टेस्टिंग, एग्री फोटो वॉल्टाइक एग्री स्टेक के स्टॉल लगाए जाएंगे।

घुमारवीं में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहने पर युवक ने पुलिस पर तान दी कुल्हाड़ी

बिलासपुर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के घुमारवीं में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहने पर पुलिसकर्मी के सामने कुल्हाड़ी लहराने के मामले में एक कश्मीरी 'चरानी' या लकड़हारे को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घुमारवीं के दकड़ी चौक पर बुधवार को उस समय तनाव पैदा हो गया जब क्षेत्र के कश्मीरी

लकड़हारों को पुलिस के सामने रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि उनमें से एक ने मौके से भागने से पहले ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर कुल्हाड़ी तान दी और धमकाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने हालांकि उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त व्यक्ति ने पुलिस को डराने के लिए कुल्हाड़ी भी दिखाई और वहां से भागते हुए बाइक वाले को कुल्हाड़ी से टकराकर उसकी बाइक भी गिरा दी। सूत्रों ने बताया कि दकड़ी चौक पर तैनात पुलिसकर्मी ने तीन दिन पहले इलाके के कश्मीरी लकड़हारों से तीन दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराने को कहा था।

एम्स भोपाल में स्कोलियोसिस का सफल इलाज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल एम्स में 14 वर्षीय बच्चे की स्कोलियोसिस (रीढ़ की हड्डी में अत्यधिक टेढापन) की जटिल सर्जरी की गई। यह सर्जरी एम्स के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वीके वर्मा और उनकी टीम ने मॉडर्न नेविगेशन तकनीक और 3डी सीटी इमेजिंग की मदद से की। जिसके बाद मरीज की 2 सेंटीमीटर तक लंबाई भी बढ़ गई है। इस प्रक्रिया में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. शिखा जैन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्कोलियोसिस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रीढ़ की हड्डी 'एस' या 'सी' आकार में मुड़ जाती है। मरीज में यह समस्या किशोरावस्था में तेजी से बढ़ी। जिसके चलते उसे चलने-फिरने में कठिनाई, शरीर का असंतुलन और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। मरीज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि उसकी पीठ का टेढापन स्पष्ट रूप से दिखाई देता था। उसके सामान्य विकास में बाधा आ रही थी। इस सर्जरी की सबसे खास बात यह रही कि यह ऑपरेशन पारंपरिक तकनीक से नहीं बल्कि उन्नत नेविगेशन सर्जरी सिस्टम और 3डी सीटी इमेजिंग के माध्यम से किया गया। इन तकनीकों ने सर्जरी के दौरान हड्डियों की वास्तविक स्थिति का सटीक चित्र उपलब्ध कराया, जिससे डॉक्टरों को टेढ़ी हड्डियों को सीधा करने में बेहतर नियंत्रण और परिणाम मिला। एम्स प्रबंधन के अनुसार, सर्जरी के बाद न केवल मरीज की रीढ़ सीधी हुई, बल्कि लंबाई भी लगभग 2 सेंटीमीटर बढ़ गई। यह नतीजा सिर्फ शरीर में ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी मरीज के आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि लेकर आया। भोपाल में भी जटिल ऑर्थोपेडिक बीमारियों का इलाज होने से मरीजों को दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

भोपाल में 2.18 लाख लोगों की ई-केवाईसी नही

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के 2 लाख 18 हजार से अधिक लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। उन्हें 10 दिन में केवाईसी कराना होगी, वरना राशन नहीं मिलेगा। वहीं, पिछले 4 महीने से राशन नहीं लेने वाले लोगों के नाम भी पोर्टल से हटाने की कार्रवाई शुरू होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन सामग्री प्राप्त करने वाले हितग्राही सदस्यों की शत-प्रतिशत ई-केवाईसी के लिए 12 अप्रैल से अभियान चल रहा है। इसमें बाकी बचे 2 लाख 28 हजार 861 सदस्यों की ई-केवाईसी का टारगेट था, लेकिन 2 लाख 18 हजार 831 ने केवाईसी नहीं कराई है। ऐसे लोगों को 10 दिन की मोहलत दी गई है। इसे लेकर जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी भोपाल शहर के केवाईसी अभियान दल के प्रभारी और सदस्यों की प्रगति की वार्ड वार समीक्षा कर चुकी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घर-घर जाकर ई-केवाईसी कराने के आदेश दिए हैं। जो हितग्राही मृत हैं, विवाह के कारण अन्य स्थान पर जाने वाली महिलाएं, स्थायी रूप से पलायन करने वाले हितग्राही और पिछले 4 महीने से राशन नहीं लेने वाले हितग्राहियों का नाम पोर्टल से हटाने की कार्रवाई होगी। खाद्य विभाग यह कार्रवाई करेगा।

भोपाल में एक एकड़ में बनेगी गौशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के ग्राम सकल में गुरुवार को एक एकड़ जमीन पर बनने वाली गौशाला का भूमि पूजन किया गया। इस गौशाला में 100 से ज्यादा गायों की सेवा की जाएगी। उनके लिए उचित देखभाल, पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस गौशाला का उद्देश्य केवल गोसेवा नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी एक अहम पहल मानी जा रही है।

वहीं, इस मौके पर मध्यप्रदेश भाजपा आम रेसलिंग संघ के अध्यक्ष मानस खान ने कहा कि आज के दौर में हमें एकजुट होकर समाज के लिए कार्य करना चाहिए।

वेव्स में मध्यप्रदेश पवेलियन में सांस्कृतिक-पर्यटन की झलक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट-2025 (वेव्स) में अतुलनीय मध्यप्रदेश पवेलियन में सांस्कृतिक और पर्यटन की झलक देखने को मिल रही है। यह पर्यटन स्थलों और संस्कृति के अनूठे-रोचक प्रस्तुतिकरण के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जहां नई डिजिटल तकनीक से बने टच इनेबल्ड इंट्रेक्टिव मैप के माध्यम से मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में अतिथि जान रहे हैं। वहीं बड़ी एलसीडी स्क्रीन में चलने वाले के टीवीसी और विडियोज को देखकर प्रदेश की सुंदरता के प्रति मोहित हो रहे हैं।

वेव्य की मुंबई में गुरुवार से शुरुआत हुई है। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि वेव्स जैसे वैश्विक मंच पर %अतुलनीय मध्यप्रदेश पवेलियन के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध पर्यटन विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत को नवीन

तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हमारा उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को मध्यप्रदेश की खूबसूरती और संभावनाओं से परिचित कराना है। पवेलियन के माध्यम से निवेशकों, फिल्म निर्माताओं और पर्यटकों को आमंत्रित किया जा रहा है कि वे मध्यप्रदेश को अपनी प्राथमिक पसंद बनाएं। न सिर्फ पर्यटन के लिए बल्कि प्रदेश की नई पर्यटन एवं फिल्म नीति का लाभ उठाए और आर्थिक प्रगति भी करें।

एनामॉर्फिक स्क्रीन भी लगाई

प्रदेश के वन्य संपदा और ऐतिहासिक धरोहरों की रोमांचक यात्रा कराने के लिए पवेलियन में आधुनिक तकनीक से बनी एनामॉर्फिक स्क्रीन लगाई गई है। जहां पर्यटन स्थलों, वन्य क्षेत्रों और वन्य जीवों को थ्री-डी तकनीक से प्रदर्शित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म पॉलिसी और मध्यप्रदेश की फिल्म पॉलिसी से अवगत कराने के लिए टच स्क्रीन लगाई गई है, जहां इच्छुक लोग पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बिंदुवार जानकारी ले रहे हैं। वहीं, सभी आंगतुकों को ब्रोसर, मध्यप्रदेश का पर्यटन मैप, साहित्य और सोवेनियर भी प्रदान किए जा रहे हैं। पवेलियन को आकर्षक रूप से सुसज्जित किया गया है। साथ ही ऑकुलस के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन स्थलों की वर्चुअल सैर भी करायी जा रही है।

वेव्स के दूसरे दिन शुक्रवार की शाम को सांस्कृतिक संध्या में वैश्विक मंच पर अमृतस्य नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। नृत्य के माध्यम से प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का अनुभव आगंतुकों को कराया जाएगा। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत विविधता और पर्यटन स्थलों की खूबसूरती को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में प्रस्तुत करेंगे। %अमृतस्य मध्यप्रदेश% ओजपूर्ण और लयबद्ध नृत्य के माध्यम से अतिथियों के बीच प्रदेश के वैभवशाली अतीत, समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत करेंगी।

सालभर में सिर्फ 4 दिन ही होंगे मुख्यमंत्री कन्या विवाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह और मुख्यमंत्री कन्या निकाह योजना के कार्यक्रम अब साल भर में सिर्फ चार दिन ही होंगे। इसके लिए जनपदों के अधिकारी अब कभी भी विवाह की तिथि तय नहीं कर सकेंगे।

राज्य शासन ने साफ कर दिया है कि यह विवाह बसंत पंचमी, अक्षय तृतीय, देव उठनी ग्यारस और किसी अन्य दिन ही किए जा सकेंगे। मोहन कैबिनेट द्वारा कन्या विवाह योजना में किए गए संशोधनों को मंजूरी दिए जाने के बाद सामाजिक न्याय और निशक्तजन विभाग ने इसके निर्देश सभी कलेक्टरों को जारी कर दिए हैं।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सोनाली वायंगणकर ने बताया कि योजना की मॉनिटरिंग की दृष्टि से इस तरह से तिथियों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना में किए गए संशोधन 15 मई 2025 से प्रभावी होंगे। नए संशोधन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के लिए चार तिथियां बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया एवं तुलसी विवाह (देवउठनी ग्यारस), एक अन्य तिथि विभाग के अनुसार तय की जा सकती है। योजना के अन्तर्गत अब सामूहिक विवाह इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे।

सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के लिए शासन की ओर से मिलने वाले आर्थिक लाभ को सार्थक बनाने का प्रयास करते हुये आयोजन में जन-प्रतिनिधियों एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी की जाएगी। समाज के संपन्न और सक्षम व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त किया जायेगा।

मंत्री सारंग ने द्वारका धाम में फिट इंडिया लब ओपन जिम'' का किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड-75 द्वारका धाम में फिट इंडिया क्लब के तहत निर्मित ओपन जिम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं युवा मौजूद रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ओपन जिम की स्थापना से क्षेत्रवासियों को निःशुल्क फिटनेस सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे व्यस्त जीवन में भी स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकें। कार्यक्रम के बाद बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने जिम उपकरणों का उत्साहपूर्वक उपयोग भी किया।

भारत निर्वाचन आयोग की तीन नई पहलें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक नामावलियों की सटीकता में सुधार लाने तथा नागरिकों के लिए मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नई पहलें की हैं। ये उपाय भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार द्वारा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में इसी वर्ष मार्च में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान परिकल्पित पहलों के अनुरूप हैं। आयोग अब निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम,1960 के नियम 9 और जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 (वर्ष 2023 में यथा-संशोधित) की धारा 3(5) (ख) के अनुरूप भारत के महापंजीयक से मृत्यु पंजीकरण का डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मौतों के बारे में समय पर जानकारी मिले। इससे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) भी फॉर्म 7 के तहत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, फील्ड विजिट के माध्यम से जानकारी को फिर से सत्यापित करने में सक्षम होंगे।

मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाने के लिए आयोग ने इसके डिजाइन में भी सुधार करने का फैसला किया है। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएंगी, साथ ही फॉन्ट का आकार भी बढ़ाया जाएगा, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना आसान हो जाएगा और मतदान अधिकारियों के लिए निर्वाचक नामावली में उनके नाम को कुशलतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा। आयोग ने यह भी निदेश दिया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1950 की धारा 13ख (2) के तहत ईआरओ द्वारा नियुक्त सभी बीएलओ को मानक फोटो पहचान-पत्र जारी किए जाएं

सुलतानपुर-मुंबई समर स्पेशल ट्रेन का संचालन 5 मई से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मियों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सुलतानपुर से मुंबई के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 8-8 ट्रिप के साथ विशेष किराए पर चलाई जाएगी। इस निर्णय से उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी। ट्रेन भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति और इटारसी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 04212 सुलतानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 5 मई से 23 जून 2025 तक हर सोमवार को सुबह 4 बजे सुलतानपुर जंक्शन से रवाना होगी। यह ट्रेन उसी दिन शाम 5ः30 बजे बीना, रात 8ः00 बजे रानी कमलापति और रात 10ः20 बजे इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद अलग-अलग स्टेशनों से होती हुई मंगलवार दोपहर 2ः00 बजे मुंबई के एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी। वहीं, वापसी में, गाड़ी संख्या 04211 एलटीटी-सुलतानपुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 6 मई से 24 जून 2025 तक हर मंगलवार को शाम 4ः35 बजे एलटीटी स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन बुधवार सुबह 6ः00 बजे इटारसी, 7ः45 बजे रानी कमलापति और 10ः50 बजे बीना पहुंचेगी। इसके बाद अन्य स्टेशनों से होते हुए बुधवार रात 11ः00 बजे सुलतानपुर जंक्शन पहुंचेगी।

श्रमदान, दीवार लेखन, चौपाल के जरिये दे रहे हैं जल संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को मध्यप्रदेश की धरा पर साकार करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण के विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। इस अभियान की शुरूआत प्रदेश में 30 मार्च से की गयी है। यह 30 जून तक चलेगा। अभियान के जरिये श्रमदान, दीवार लेखन और चौपाल लगाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल संरक्षण की विभिन्न गतिविधियाँ की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरुप उज्जैन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण और संवर्धन के लिये निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। अभियान में प्राचीन जल स्त्रोत जैसे बावड़ी, तालाब, कुएं आदि का जीर्णोद्धार कार्य तो

किया ही जा रहा है, साथ ही भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए रिचार्ज पिट का निर्माण भी किया जा रहा है। बुधवार को महिदपुर के ग्राम चितवालियाखेडा और भादवा में खेत, तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया। पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देशन में ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्था के कार्यकर्ताओं ने पांढुर्णा विकासखंड के ग्राम गूजरखेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामवासियों के साथ सहभागिता करते हुए ग्राम की पहाड़ी पर वर्षा जल संरक्षण के लिये खंतियाँ खोदकर श्रमदान किया गया। ग्राम पंचायत परिसर में श्रमदान एवं पानी के महत्व को लेकर संवाद हुआ। संस्था निदेशक श्री विजय धवले, सरपंच श्रीमती संगीता धुर्वे, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्यवक श्री दिलीप आठनेरे, सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजू वरुड़कर, संस्था के नालम प्रकल्प के कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता खोड़े, श्रीमती सविता पाटिल एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्रमदान के बाद जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने किया इंदौर जिला न्यायालय भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बुधवार को इंदौर के पीपल्या हाना क्षेत्र में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन का भौतिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण में उन्होंने कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह परियोजना शासन की प्राथमिकताओं में है तथा इसे तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जायें।

मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन में हो रही देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। सभी डिजाइन एवं ड्राइंग 7 मई तक आर्किटेक्ट से प्राप्त करें। अन्यथा अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जाएं। उन्होंने निर्माण सामग्री के अनुमोदन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि अप्रूवल में विलंब के कारण निर्माण कार्य में रुकावट आती है, तो संबंधित अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री श्री सिंह ने पुनरीक्षित एस्टीमेट के अनुमोदन की प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा ठेकेदार के रनिंग बिलों के शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए, जिससे निर्माण कार्य की गति बनी रहे। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इंदौर के मुख्य अभियंता (भवन) निर्माण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा स्वयं करें और प्रमुख अभियंता के माध्यम से प्रत्येक सोमवार को निर्माण की प्रगति रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएं। साथ ही इस रिपोर्ट की एक प्रति उनके विशेष सहायक को भी भेजी जाए। मंत्री श्री सिंह ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि कम से कम 2 शिफ्टों में कार्य किया जाए और पर्याप्त मैन पॉवर तैनात रहे।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य की प्रगति का विश्लेषण साप्ताहिक आधार पर पर्ट चार्ट के माध्यम से करने के भी निर्देश दिए गए ताकि संभावित अवरोधों की पूर्व पहचान कर उनके निराकरण की योजना बनाई जा सके।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह द्वारा पहले ली गई बैठक में निर्देश दिए गए थे कि निर्माण कार्य को प्रतिदिन 3 शिफ्टों में संचालित किया जाए तथा कार्य की सतत निगरानी हेतु निर्माण स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। साथ ही, निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु प्रयोगशाला में सभी आवश्यक परीक्षण उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। परियोजना के लिए नियुक्त एसडीओ और सब-इंजीनियर को पूर्णकालिक रूप से केवल इसी कार्य पर तैनात रहने और किसी अन्य कार्य में संलग्न नहीं करने के भी निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस आर बघेल, मुख्य अभियंता श्री सुरेंद्र राव गोरखेडे के साथ इंदौर लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर कंसलटेंट एवं ठेकेदार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश की रचनात्मकता को मिलेगा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में मध्यप्रदेश अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं के साथ वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाने जा रहा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 का आयोजन मुंबई में 1 से 4 मई 2025 तक किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 मई को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश इस अयोजन में वैश्विक मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। मध्यप्रदेश अतुलनीय मध्यप्रदेश पेवेलियन, अमृतस्य मध्यप्रदेश नृत्य-नाटिका, नई मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति-2025 और नई एवीजीसी-एक्सआर नीति 2025 जैसे नवाचारों के साथ प्रमुख भागीदार रहेगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश को विश्वस्तर पर अग्रणी पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए कई नवाचार किए हैं। मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत को वेव्स के मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। यहां एक ओर एमपी पवेलियन के माध्यम से आगंतुकों को प्रदेश के पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक विरासत से परिचय कराया जाएगा। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में फिल्म, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एवीजीसी-एक्सआर के क्षेत्र में संभावनाओं की दृष्टि से हम विभिन्न हितधारकों से जुड़ेंगे। प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और आध्यात्मिक स्थलों को आकर्षक समवेत नृत्य प्रस्तुति अमृतस्य मध्यप्रदेशके जरिए विदेश और देश के अतिथियों से जोड़ेंगे।

जबलपुर कमिश्नर रिटायर, दतिया कलेक्टर इस माह होंगे सेवानिवृत्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आज से तीस मई तक के लिए तबादलों का मौसम शुरू हो गया है और तबादले के इच्छुक अधिकारी-कर्मचारी तबादला कराने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी जुटाने में जुटे हैं। इस बीच प्रदेश में आईएएस और आईपीएस अफसरों के तबादले होना भी तय माना जा रहा है। जबलपुर कमिश्नर अभय कुमार वर्मा के रिटायर होने के बाद यहां अभी नए अधिकारी की पोस्टिंग किया जाना बाकी है, वहीं इसी माह 31 मई को दतिया कलेक्टर संदीप कुमार मॉकिन और 30 जून को सागर संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत भी रिटायर हो जाएंगे। जबलपुर कमिश्नर अभय वर्मा 30 अप्रेल को रिटायर हो गए हैं। उनके रिटायरमेंट के बाद अब जबलपुर संभागायुक्त के पद के लिए सचिव स्तर के अधिकारी की पोस्टिंग होना है। प्रदेश के बड़े संभागों में शामिल जबलपुर कमिश्नर बनने के लिए कुछ आईएएस अधिकारी लॉबिंग भी कर रहे हैं और माना जा रहा है कि सीएम मोहन यादव की हरी झंडी मिलते ही इसी सप्ताह किसी अधिकारी की पदस्थापना जबलपुर संभागायुक्त के पद पर हो जाएगी।

जिले भर में आज मनाया जाएगा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से दो मई को जिले भर में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला तथा विकासखण्ड मुख्यालय के साथ-साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत नगरीय निकाय में इसका आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम प्रातः 11 बजे आरंभ होगा। लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, लाड़ली लक्ष्मी बालिकाएं एवं उनके अभिभावक शामिल होंगे। कार्यक्रम में कन्यापूजन करके लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सफलताएं प्राप्त करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में संचालन और भाषण की जिम्मेदारी भी लाड़ली बालिकाएं ही उठाएंगी। कार्यक्रम में अपराजिता योजना के तहत महिलाओं की आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया जाएगा।

समारोह में लाड़ली बालिकाओं द्वारा गीत, संगीत एवं नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नगरीय निकायों में बनाई गई लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में लाड़ली बालिकाओं द्वारा वृक्षारोपण भी किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सभी परियोजना अधिकारियों तथा सुपरवाजरों को शासन के दिशा-निर्देशानुसार लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के आयोजन के निर्देश दिए हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों और आमजनों की भागीदारी सुनिश्चित करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय समीक्षा बैठक में शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाएं। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वर्षा जल को संचित करके ही हम अपना जीवन सुरक्षित कर सकते हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हैण्डपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट बनाने का विशेष प्रयास करें। जिन क्षेत्रों में पेयजल संकट होता है वहाँ जल संरक्षण के कार्य अनिवार्य रूप से कराएं। नदियों के उ–म स्थल की साफ-सफाई, घाटों की साफ-सफाई, चेकडैम तथा बोरी बांध निर्माण एवं खेत तालाबों का निर्माण अनिवार्य रूप से कराएं। मनरेगा योजना से स्वीकृत तथा अधूरे कार्यों को भी अभियान की अवधि में पूरा कराएं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सबसे बढ़कर आमजनता की भागीदारी सुनिश्चित करें। सबके सहयोग और प्रयास से ही पानी को सहेजने का प्रयत्न सफल हो पाएगा।

बैठक में कमिश्नर ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल विभिन्न जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी रखें। हैण्डपंपों तथा नलजल योजनाओं के सुधार के संबंध में मिली सूचनाओं पर 24 घंटे के अंदर कार्यवाही सुनिश्चित करें। हर बसाहट में पेयजल की आपूर्ति अनिवार्य रूप से कराएं। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक समय से बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दें। अप्रैल माह में मऊगंज जिले ने आवेदनों के निराकरण में शानदार कार्य करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई। सिंगरौली जिला भी लगातार टाप टेन जिलों में शामिल होकर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। कलेक्टर राजस्व विभाग, पीएचई, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम विभाग की शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। ऊर्जा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग में भी बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। सभी संभागीय अधिकारी आवेदनों का निराकरण कराएं। सीएम हेल्पलाइन में बी श्रेणी से नीचे रहने वाले विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दें।

कमिश्नर ने कहा कि संभाग में गेंहू उपार्जन की प्रगति धीमी है। पंजीकृत किसानों से अंतिम तिथि पाँच मई तक गेंहू उपार्जन के प्रयास करें। उपार्जित गेंहू का परिवहन कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों तथा संबल पोर्टल में दर्ज हितग्राहियों की ई केवाईसी तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से कराएं। इसमें सीधी जिले की प्रगति संतोषजनक नहीं है। पंचायतों में शिविर लगाकर ई केवाईसी अपडेशन कराएं। ई ऑफिस प्रणाली लागू कर दी गई है। इसमें शेष बचे विभागों को ऑनबोर्ड कर फाइलों का मूवमेंट पोर्टल के माध्यम से कराएं। रीवा जिले ने ई ऑफिस प्रणाली से दो सौ फाइलों का मूवमेंट करके अच्छा कार्य किया है। सभी अधिकारी संभागीय समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं पर तत्परता से कार्यवाही करके पालन प्रतिवेदन ऑनलाइन दर्ज कराएं। बैठक में कमिश्नर ने पेंशन प्रकरणों के निराकरण, भू अर्जन, रीवा-सिंगरौली रेलवे लाइन निर्माण, सीधी-सिंगरौली हाईवे निर्माण, एयर एंबुलेंस सेवा तथा निवेश संवर्धन के प्रयासों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना सतीश कुमार एस, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी तथा कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। कमिश्नर कार्यालय से बैठक में मुख्य वन संरक्षक राजेश राय तथा सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा अधिवक्ता उमेश शुक्ला के निधन पर संसद ने जताया दुख

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा न्यायालय के युवा अधिवक्ता उमेश शुक्ला का विगत रात्रि सड़क दुर्घटना से आकस्मिक निधन पर रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है की श्री शुक्ला कर्मठ अधिवक्ता थे कम उम्र में विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर लिया था सड़क दुर्घटना से निधन पर उनके परिवार जनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है रीवा सांसद ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की नोटरी महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी संरक्षक योगेंद्र शुक्ला इंद्रेश चतुर्वेदी विनोद शर्मा श्रीमती उषा जैन जीवेश तिवारी भोला प्रसाद पटेल मोतीलाल पटेल प्रदीप सिंह श्रीमती दीपिका पांडे अनिल कुमार श्रीवास्तव अनुज परिवार राम सजीवन शुक्ला रघुवंश पटेल अशोक कुमार शर्मा सुधाकर तिवारी सुनील शुक्ला बच्चा केदार सिंह पंकज शर्मा अशोक चतुर्वेदी डीसी मिश्रा श्रीकांत मिश्रा गिरधर मिश्रा ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है

परीक्षा पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 15 मई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आगामी 15 मई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रूपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र शा. ज्ञानोदय विद्यालय अनुसूचित जाति कल्याण विभाग परिसर से प्राप्त की जा सकती है। जानकारी प्राप्त करने के लिए फोन नंबर 07662-299221 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

कांग्रेस के दवाब के कारण केन्द्र की मोदी सरकार को घुटने टेकने पड़े

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उर्रहट स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक पत्रकारवार्ता का अयोजन किया गया। पत्रकारवार्ता के उद्देश्य की शुरूआत करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज की यह पत्रकारवार्ता हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा मे विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी ने समाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना शुरू करने के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया था, किन्तु केन्द्र की सरकार उनका माखौल उड़ाती थी और कहती थी कि राहुल गांधी देश मे जातियों का बाटकार जातीय संघर्ष कराना चाहते हैं। किन्तु राहुल जी अपने निर्णय पर अडिग रहे और उन्होने कहा कि यदि हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार आई तो सरकार बनते ही इसे तुरन्त लागू करूंगा। कांग्रेस के इस दवाब के कारण केन्द्र की मोदी सरकार को घुटने टेकने पड़े और उन्होने जाति जनगणना कराने की घोषणा अंततः की। उन्होने श्री राहुल गांधी जी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के प्रति जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से धन्यवाद् एवं आभार ज्ञापित किया हैं। श्री शर्मा ने इस विषय पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री एवं सांसद राजमणि पटेल को विस्तार से जानकारी देने हेतु आहूत किया। श्री राजमणि पटेल ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए विस्तार पूर्वक इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सदा से समाजिक न्याय की लड़ाई लड़ती रही हैं। देश में अभी तक यही पता नही चल पाता था कि देश में रहने वाले रहवासियों की क्या स्थिति हैं। उनके आर्थिक स्थिति की जानकारी लेने का हमारी कांग्रेस पार्टी ने कदम उठाया तो भारतीय जनता पार्टी इसे गम्भीरता से नही ले रही थी, जब उन्हे एहसास हो गया कि कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना कराएगी ही तथा कांग्रेस शासित प्रदेशों मे इसकी शुरूआत कर दी हैं तो आसन्न चुनाव को देखते हुए अपनी पराजय होने की आशंका से जाति जनगणना कराने की घोषणा की श्री पटेल ने जिला कांग्रेस कमेटी रीवा की ओर से अपने नेता राहुल गांधी जी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। पत्रकारवार्ता को सम्बोधित करते हुए ए.आई.सी.सी. सदस्य राजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि अभी भी केन्द्र की भाजपा सरकार के दिल दिमाग मे खोट है जिस कारण उसने जाति जनगणना कराने के समय और अवधि की घोषणा नही की। कांग्रेस पार्टी के भारी दवाब के कारण प्रदेश में महिला आरक्षण बिल केन्द्र की सरकार को पारित करना पड़ा किन्तु उन्होने इसके लागू करने की तिथि अभी तक निश्चित नही किया इसीलिए इनकी नियत मे संदेह होता हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि यदि उन्होने इसके लागू करने की अवधि शीघ्र घोषित नही की तो कांग्रेस पार्टी पूरे देश में इसे लागू कराने के लिए केन्द्र सरकार के प्रति दवाब डालेगी। उन्होने राहुल गांधी जी के इस साहसिक कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि अब जब घोषणा हो ही गयी हैं तो सरकार को इसे अमलीजमा पहनाना ही होगा। उन्होने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए ही उन्हे जाति जनगणना कराने की कांग्रेस की मांग पर मुहर लगानी पड़ी। समन्वय समिति की बैठक मे लिए गए निर्णय के अनुसार कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतागण बारी-बारी से कांग्रेस कार्यालय में बैठकर लोगो की समस्याओं का निदान करने का प्रयास करेंगें और यदि प्रशासन जनसमस्याओं को सुलझाने की अनदेखी करेगा तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी। इसकी शुरूआत आज से कार्यालय मे राजमणि पटेल एवं राजेन्द्र मिश्रा द्वारा कर दी गयी हैं। पत्रकारवार्ता में राजमणि पटेल, राजेन्द्र मिश्रा, इंजी. राजेन्द्र शर्मा, रवि तिवारी, सत्यनारायण तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन 5 मई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। शासन द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए 5 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गेंहू उपार्जन की अंतिम तिथि समीप आने से खरीदी केन्द्रों में बड़ी संख्या में किसान आ सकते हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू का तत्काल उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने तत्काल उपलब्ध करा दें। गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की स्टैंगिंग कराएं जिससे अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सके।

जिन गोदामों में धान का भण्डारण है वहाँ से मिलर्स को मिलिंग के लिए धान का उठाव कराएं जिससे गेंहू का भुगतान किया जा सके। खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी रखें। कलेक्टर ने जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक को किसानों को समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय सतत पुनर्वास प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजरानी सेवा संस्थान में राष्ट्रीय स्तरीय त्रि-दिवसीय सी आर ई कार्यक्रम का समापन वृहद रूप से हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कामदगिरि पीठ चित्रकूट धाम से पधारे हुए डॉक्टर मदन गोपाल दास महाराज जी का पदार्पण हुआ जिनके द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण हुए। महाराज जी के आशीर्वचनों से सभी प्रतिभागी अत्यंत हर्षित हुए कार्यक्रम में जय बजरंग सेना से अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश एवं बुंदेलखंड प्रभारी कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री आनंद तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री भोलेनाथ मिश्रा सम्मानित अतिथि के रूप में भारत स्काउट एवं गाइड से जिला संगठन आयुक्त विश्वनाथ मिश्रा जी जय बजरंग सेवा से संभाग धर्म रक्षक श्री ईश्वर आनंद महाराज जी, संभाग मंत्री श्री अरुण शर्मा सामाजिक न्याय पन्ना से अमिता सिंह राजरानी सेवा संस्थान के अध्यक्ष श्री अजय सिंह जी एवं सचिव श्री संजय सिंह , संचालिका श्री मति मालती सिंह जी रिसोर्स पर्सन श्री अनिरुद्ध यादव जी वैशाली श्रीवास्तव नीता रजक आरती पटेल एवं अन्य रिसोर्स पर्सन सम्मिलित हुए, भारतीय पुनर्वास परिषद की सर्कुलर एवं गाइडलाइन के अनुसार सभी पार्टिसिपेंट्स से प्रश्नावली के माध्यम से प्रतिदिन के सियारी कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम

से मूल्यांकन किया जाता है , राष्ट्रीय स्तर के इस सतत पुनर्वास कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से आए हुए पार्टिसिपेंट्स को सुबह का नाश्ता दोपहर का भोजन एवं रहने खाने की रात्रि की पूरी व्यवस्था की गई है जिससे बाहर से आए हुए पार्टिसिपेंट्स एवं रिसोर्स पर्सन को किसी प्रकार की समस्या ना हो इसका विशेष ध्यान संस्था द्वारा रखा गया है जिसका कार्यक्रम के समापन के दिन फीडबैक के माध्यम से संस्था द्वारा आंकलन भी किया जाएगा,

तीन दिवसीय सतत् पुनर्वास प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत के कई राज्यों से लगभग 200 पार्टिसिपेंट्स एवं रिसोर्स पर्सन आए हुए हैं जिनका नियमित अटेंडेंस एवं अन्य भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाता है जिससे उन्हें भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा निर्धारित प्रतिदिन के 6 पॉइंट के हिसाब से 18 ष्टरश्च पॉइंट का लाभ प्रदान किया जा सके , महाराज जी के वक्तव्य में दिव्यांग जनों का प्रशिक्षण चित्रकूट में करने की अपील की गई द्य तथा कार्यक्रम समन्वयक द्वारा तथा उपस्थित अन्य विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न निर्धारित सेशन के अनुसार पार्टिसिपेंट्स को दिव्यांग जनों के लिए कौशल एवं व्यवसाय के महत्व के बारे में विस्तार से बताया तथा कार्यक्रम के समापन में राष्ट्रगान का गायन कर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सियारी कार्यक्रम का समापन किया गया ।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थित दीप्ति सिंह परिहार पूनम मिश्रा साधना पांडे रंजना सिंह कीर्ति शुक्ला युवराज सिंह तिलक राज सिंह सिद्धार्थ राज सिंह दिव्यराज सिंह कृष्णा राज सिंह मधु शुक्ला साक्षी पांडे कोमल शर्मा , पूजा वर्मा वर्षा साहू ,प्रगति साहू ,ललिता, केदार कुशवाहा ,सुभाष पटेल, राजेश परिहार आदि कार्यक्रम का संचालन एसएम राज सिंह कान्वेंट एवं समावेशी विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अनीता विश्वकर्मा के द्वारा किया गया।

रीवा में 10 लाख की चोरी, देर रात ताला तोड़कर घुसे बदमाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के बैकुण्ठपुर थाना क्षेत्र के पटना गांव में बुधवार की रात चोरों ने एक घर में बड़ी वारदात को अंजाम दिया। [] चोरों ने कच्चे और पक्के दोनों मकानों से लाखों के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। वारदात के समय परिवार के सदस्यों के सो रहे थे। चोरों के घुसने के जानकारी उन्हें सुबह करीब तीन बजे हुई। पीड़ित नीरज सिंह के अनुसार, वह पत्नी और बच्चों के साथ रात को खाना खाकर सो गए थे। उनके माता-पिता मिर्जापुर में एक वैवाहिक कार्यक्रम में गए थे। रात में चोरों ने पक्के मकान का कमरा तोड़कर अलमारी और दीवान से पांच सोने की चेन, दो हार, तीन मंगलसूत्र, नौ अंगूठी, छह झुमके, दस टॉप्स, चार चूड़ियां और चांदी का कमरबंद व आठ पायल चोरी कर ले गए।

सैनिक का रेलवे स्टेशन में भव्य स्वागत किया जायेगा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पूर्व सैनिक संगठन के सभी सम्मानित पदाधिकारियों और सदस्यों को सूचित किया जाता है कि हमारे एक और साथी सूबेदार बाला प्रसाद कुशवाहा ग्राम रामपुर, नागौद सतना 02 मई 25 को 26 वर्ष की सैन्य सेवा पूर्ण कर पेंशन आ रहे है, जो कि कल सतना आ रहे हैं, संगठन की परंपरा के अनुसार पेंशन आए सैनिक का रेलवे स्टेशन में भव्य स्वागत किया जाता है । अतः आप सभी से निवेदन है कि समय को ध्यान में रखते हुए अपना समय निकालकर जरूर पहुंचे। खास कर अभी हाल के महीनों में जो भी साथी आए हैं वो जरूर पहुंचे ताकि ये परंपरा आगे भी निर्बाध रूप से चलती रहे। संगठन के जुझारू सदस्य श्री उदयबली कुशवाहा जी से आग्रह है कि ट्रेन का सही समय ग्रुप में अपडेट करते रहे ताकि सभी लोग सही समय पर पहुंच सकें। कल रेलवे स्टेशन में एक प्रेस कांफ्रेंस भी रहेगी जिसमें अभी हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के कारण देश में बने माहौल और पूर्व सैनिकों की जिम्मेदारी पर चर्चा की जाएगी एक सैनिक किसी जाती या धर्म से नहीं बंधा होता वो तो देश प्रेम की भावना लिए मातृभूमि की आन-बान और शान के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने के लिए तैयार होता है।

सीधी जिला अस्पताल का नया मुख्य द्वार गिरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला अस्पताल में गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। अस्पताल का हाल ही में निर्मित मुख्य द्वार अचानक भरभराकर गिर गया। गेट के पास मौजूद सुरक्षाकर्मी और मरीजों के परिजन समय रहते हट गए। हालांकि, दो मोटरसाइकिलें मलबे की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गईं।

परशुराम की जयंती पर नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान परशुराम की जयंती पर मंनगवा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा नदहा मोड हनुमान मंदिर से पूरे नगर में ढोल नगाड़े, गाजे बाजे के साथ परशुराम एवं जय श्री राम के गगन भेदी नारे लगाए गए यात्रा में ब्राह्मण समाज के युवाओं का हुजूम था इसके साथ ही बाइक रैली निकल गई पूरे नगर भ्रमण पश्चात राल्ही ट्रेडर्स में भगवान परशुराम की आरती एवं भगवान परशुराम की जयंती पर भंडारे का भी आयोजन किया गया था जिसमें सभी क्षेत्र के गण मान्य नागरिक शामिल हुए इस अवसर पर तरुणेन्द्र मिश्रा (लाला राल्ही), लवकुश पांडे, नावेद्र पांडे, अन्नू पांडे, विकास तिवारी, वरुण उरमालिया, शंकर राघव तिवारी, अजय शुक्ला, विजय शुक्ला, लवकुश त्रिपाठी, हरीश शुक्ला, शिवेंद्र तिवारी, धीरज तिवारी, कमलेश शुक्ला, अंकित तिवारी, विद्या चरण शुक्ला, बाली मिश्रा, नारायण पांडे, प्रभात शुक्ला, अतुल पांडे, बेटू त्रिपाठी, सौरभ पांडे, विक्कू शुक्ला अनुराग दुबे, आदि युवा रवि मिश्रा धर्मेंद्र मिश्रा शामिल रहे।

स्लॉट बुक नहीं होने से कई किसान फसल बेचने से हो रहे वंचित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूरे रीवा जिले में जिला कलेक्टर के आदेश पर 75 गेंहू राई खरीदी का उपार्जन केंद्र बनाया गया है ताकि किसान शासन के नियमानुसार खरीदी केंद्रों में अपनी फसल बेच सके।

जिसके लिए शासन द्वारा किसानों के बैठने, पीने के लिए ठंडा पानी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं जाने का आदेश जारी हुआ था लेकिन खरीदी केंद्रों में क्या सुविधाएं है किसी से कोई बात छिपी नही है।

इसके बावजूद भी इस भीषण गर्मी में किसान अपनी फसल बेचने के लिए परेशान है जहा पर खरीदी केंद्रों में कई दिनों से बारदाने नही थे इस कारण खरीदी नही हो पाई।

इसके साथ ही 28/04/25 से कई खरीदी केंद्रों का स्लॉट बुक होना बंद हो गया था किसानों की शिकायत पर फ़ूड कंट्रोलर कमलेश कुमार को फोन करके बताया गया लेकिन उनके द्वारा सही जाबाव नही दिया गया कि स्लॉट बुक होगा या नही।

जब आज दिनांक 01/05/25 को फोन किया गया तो उनका कहना है कि ये भोपाल से होता है तो इस गलती के लिए किसकी जबावदेही होगी। जिला में आपको जिम्मेदारी दी गयी है तो किसान तो आपसे से शिकायत करेगे।

लेकिन फ़ूड कंट्रोलर अपनी जबाबदेही से भाग रहे है और बात करते करते फोन कट कर दिए। जबकि अभी भी कई किसान है जिनका स्लॉट बुक नही हुआ और किसान खरीदी केंद्रों और पंजीयन केंद्र का चक्कर लगा रहे है।

सवाल यही की इस पूरे मामले में किसकी गलती है जब किसानों को बारदाने नही मिलेंगे और स्लॉट बुक नही होगा तो किसान क्या करेगा।

जिसके लिए किसानों ने जिला कलेक्टर रीवा से समय अवधि बढ़ाने और स्लॉट बुक कराने की मांग की है ताकि बचे हुए किसान अपनी फसल बेच सके।

देखना यही होगा कि क्या स्लॉट बुक नही होने एवं बारदाने की कभी के कारण 5 मई तक मे किसान अपनी फसल बेच पाएंगे या किसान फसल बेचने से बंचित रह जायेगे।

बता दे कि इस बार 21/04/25 से खरीदी शुरू हुई थी बीच मे बारदाने की कमी के बजह से खरीदी बंद थी फिर स्लॉट बुक न होना। इन समस्याओं के कारण कई किसान फसल बेचने से बंचित रह सकते है।

जिला बादल का उल्लंघन करने एवं एससी एसटी एक्ट मामले में आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एसपी विवेक सिंह एएसपी विवेक कुमार लाल के निर्देशन में एसडीओपी उमेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनगवां निरीक्षक वर्षा सोनकर मुखबिर के सूचना पर पुलिस टीम के साथ दविस देकर जिला बदर का आरोपी अमिरिती मनगवां वार्ड क्र. 10 का अपने घर से गिरफ्तार किया है। बताया जाता है की आरोपी के विरुद्ध जिला दण्डाधिकारी रीवा के द्वारा आरोपी के विरुद्ध एक वर्ष का जिला बदर आदेश रीवा जिले की राजस्व सीमाओ से बाहर होने का आदेश पारित किया गया था। जिसके उल्लघंन पर आरोपी के विरुद्ध थाना मनगवां में अप.क्र. 195/2025 धारा 14 राज्य सुरक्षा अधि. 1990 का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी का गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जिला बदर की अवधि समाप्त होने वाली थी लेकिन उक्त आरोपी द्वारा दिनांक 18.03.25 को पीड़ित सुनील कुमार साकेत के साथ माधव ढाबा मनगवां में अपने एक अन्य साथी के साथ मारपीट किया था जिस पर थाना मनगवां में मामला पंजीबद्ध हुआ था उक्त आरोपी द्वारा जिला बदर की नियत अवधि के पहले ही अपने घर ग्राम आकर श्रीमान जिला दण्डाधिकारी के जिला बदर आदेश का उल्लंघन किया गया जिसका यह कृत्य अपराध धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत दण्डनीय पाये जाने से आरोपी राहुल मिश्रा पिता संगीता प्रसाद मिश्रा उम्र 28 वर्ष निवासी अमिरिती मनगवां वार्ड क्र. 10 जिला रीवा म.प्र के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना मनगवां में कुल 10 अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

विचार

रेटपेयर्स की सक्रिय भागीदारी से ही अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

भले ही आज हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की दस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो व जीडीपी रेंकिंग में इस साल हम विश्व की तीसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी में हैं पर अर्थ व्यवस्था के तेजी से विकास के लिए रेटपेयर्स की भागीदारी बढ़ाने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। फ्रीबीज के जमाने में केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ द्वारा एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक वृद्धि के लिए रेटपेयर्स को प्रोत्साहित करना जरुरी बताया है। दरअसल एक और राजनीतिक दलों द्वारा ऐन केन प्रकारेण सत्ता के स्वाद चखने की चाह पूरी करने के लिए लोकलुभावन फ्रीबीज सुविधाओं की घोषणाएं दर घोषणाएं की जा रही है तो दूसरी और देश को 2025 में जीडीपी रेंकिंग के अनुसार दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की चुनौती सामने हैं। अर्थव्यवस्था का सीधा सीधा गणित यह है कि एक तो करदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से कर के रुप में सीधे सीधे आय सरकार को प्राप्त होती है तो दूसरी और सरकार अपनी विकास योजनाओं को अमलीजामा पहुंचाने के लिए उधारी से काम चलाने वाली स्थिति होती है जिसे हम बजट प्रस्तावों में उधारी के रुप में देखते हैं तो तीसरा प्रमुख स्त्रोत रेटपेयर्स होते हैं। देश का सेविंग पूल इन्हीं से बनता है। अब जहां तक आयकर का प्रश्न है तो आधार और पेनकार्ड के चलते अब आयकर के दायरें से तो कोई बच भी नहीं सकता। खासतौर से नौकरीपेशा या निश्चित पगार पाने वालों का तो आयकर सीधे सीधे और बिना किसी छीजत के सरकार को प्राप्त हो ही जाता है। इसमें किसी तरह की चोरी की संभावना भी लगभग ना ही है। लगभग यही स्थिति जीएसटी के बाद देखने को मिल रही है और साल दर साल जीएसटी संग्रहण में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दरअसल जब स्थानीय स्वशासन की परिकल्पना की गई थी तो उसके साथ यह भी था एक समय आते आते यह संस्थाएं अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए सरकार पर निर्भर ना रहकर आत्मनिर्भर हो जाएगी और इन संस्थाओं को सरकार के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। पर एक और यह तो सपना ही बनकर रह गया दूसरी और राजनीतिक दलों ने फ्रीबीज का ऐसा चलन चलाया कि रेटपेयर्स की भूमिका कम से कम होती जा रही है। दरअसल रेटपेयर्स का प्रयोग सबसे पहले 1845 में माना जाता है। रेटपेयर्स की भूमिका को हम इसीसे अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि न्यूजीलैण्ड सहित अनेक देशों में तो रेटपेयर्स अपने हितों की रक्षा के लिए एसोसिएशन बनाकर आगे आ रहे हैं। हमारे देश में हालात इससे विपरीत है। हमारे यहां तो पिछले कुछ सालों में रेटपेयर्स की सहभागिता दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। संभवतः यही चिंता का कारण बन रहा है केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ के अनुसार। रेटपेयर्स से सीधा सीधा अर्थ सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में जो बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है उससे विकास या बेहतर सेवाओं के लिए राशि प्राप्त की जा सके।

बिहार के खेल 'वैभव' से दुनिया हो रही परिचित

देश में आईपीएल का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। हो भी यों ना....खेलों को लेकर भारतीयों में जबरदस्त क्रेज जो दिखता है। हाल ही में आईपीएल मैचों में कुछ ऐसा हुआ जिसकी उमीद क्रिकेट के दिग्गजों तक ने भी नहीं की थी। बिहार के 14 वर्षीय लाल 'वैभव सूर्यवंशी' ने सबसे तेज शतक जड़ा। दिग्गज क्रिकेटर भी वैभव में भारत का भविष्य देख रहे हैं, वहीं अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वैभव सूर्यवंशी ने बिहार के मुयमंत्री नीतीश कुमार 'थैंस' लिखा। इस थैंस के नितांत गंभीर मायने हैं। वैभव के पिता भी बार बार बिहार क्रिकेट संघ का बखान करते नहीं थक रहे, जिसने बहुत कम उम्र में वैभव को बिहार से खेलने का मौका दिया।

वैभव की सफलता की कहानी दरअसल 'नव बिहार' के विहान की भी कहानी है। कभी जंगलराज, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, दंगों के लिए बदनाम रहने वाला बिहार आज ना केवल खेलों में परचम लहरा रहा है बल्कि अपनी आर्थिक तरक्की से चर्चा के केंद्रबिंदू में बना हुआ है।

बिहार आज देश के सबसे तेजी से विकास कर रहे राज्यों में दूसरे स्थान पर है। राज्य की अर्थव्यवस्था 14.50 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 66,828 रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। आईपीएल में वैभव ने बिहार की खेल प्रतिभा का दमखम तो दिखा ही दिया। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि बिहार देश के खेल हब के रूप में अपनी एक नई पहचान गढ़ रहा है।

चंद दिनों बाद बिहार में पहली बार खेलों के महाकुंभ यानी 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' आयोजित होंगे। बिहार की धरती पर 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 8500 खिलाड़ी जीत हार के लिए भिड़ेंगे। इस आयोजन के बहाने राज्य सरकार पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगुसराय में खेलों के बुनियादी ढांचे को दुरूस्त कर रही है। लेकिन यह भी कम दिलचस्प नहीं कि बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन से पहले ही दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गए। पाटलिपुत्र खेल परिसर में उद्घाटना समारोह में प्रदर्शित की जाने वाली विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया है। 18 फीट लंबी और चौड़ी इस पेंटिंग को प्राकृतिक रंगों से बनाया गया है।

दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड महाबोधि मंदिर में बनाया गया है। यहां 5-70 वर्ष की आयु वाले 375 भिक्षुओं द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा गायन बाउल समूह बनाया गया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स से पहले बिहार ने सफलतापूवर्क महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया था। इस टूर्नामेंट में भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की शीर्ष महिला हॉकी टीमें शामिल हुईं थीं। बिहार सरकार राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में खेलों के लिए ?3,16,895 करोड़ रुपये आवंटित किया है जो गत वर्ष के मुकाबले ?38,169 करोड़ अधिक है। नीतीश सरकार हर प्रमंडल में खेल अवसंरचना का विकास, पुनपुन में 100 एकड़ में अत्याधुनिक खेल प्रोजेक्ट की स्थापना और हर प्रखंड में आधुनिक आउटडोर स्टेडियम का निर्माण करेगी।

खेलों को एक व्यवस्थित और पेशेवर रूप देने के लिए बिहार सरकार ने बिहार खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है। यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, कोचिंग और खेल मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इससे खिलाड़ियों को पेशेवर प्रशिक्षण और उच्च स्तरीय शिक्षा मिलेगी, खेल प्रबंधन, कोचिंग और स्पोर्ट्स साइंस में करियर के नए अवसर खुलेंगे और खेल चिकित्सा तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी में अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। खेलों के जानकार भी यह मानते हैं कि इस विश्वविद्यालय से बिहार के खेल इकोसिस्टम को और मजबूती मिलेगी।

सरकार एक तरफ बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दे रही है तो वहीं खेलों में भागीदारी बढ़ाने के लिए योजनाएं लागू कर रही है। पटना, गया, भागलपुर और मुजफ्फरपुर जैसे शहरों में राज्य स्तरीय खेल अकादमियों की स्थापना की गई है, जहाँ आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यही नहीं, स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताएँ, मैराथन, फुटबॉल और क्रिकेट लीग्स का भी आयोजन किया जा रहा है। खेल स्कॉलरशिप और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए भी सरकार प्रयास कर रही है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएँ और अवसर मिल सकें।

हाल के वर्षों में बिहार के युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बिहार की महिला हॉकी खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में चयनित हुईं और एशिया कप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कबड्डी और एथलेटिक्स में बिहार के युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीते और राज्य के क्रिकेट खिलाड़ियों को आईपीएल और रणजी ट्रॉफी में अवसर मिले। बिहार सरकार और खेल संघों की ओर से इन्हें हर संभव सहायता दी जा रही है, ताकि वे अपने खेल कौशल को निखारकर देश और दुनिया में बिहार का नाम रोशन कर सकें।

इसमें कोई संदेह नहीं कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स सरीखे आयोजनों से ना केवल खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन दिखाने का मौका मिलता है ब्लकि स्थानीय लोगों के रोजगार के दरवाजे खुलते हैं। महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 जैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से राजगीर और उसके आसपास के क्षेत्रों में होटल, परिवहन, रेस्तरां और स्थानीय बाजारों को आर्थिक लाभ मिला। राज्य सरकार अब इस मॉडल को अन्य खेल आयोजनों में भी लागू करने की योजना बना रही है, जिससे बिहार में खेल पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

राजनीतिक रूप से काफी अहम प्रगति यात्रा के दौरान भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैमूर, जमुई समेत विभिन्न जिलों में एक दर्जन स्पोर्ट्स काम्पलेक्स बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बेतिया और सुपौल में स्टेडियम के आधुनिकीकरण, कटिहार में राजेन्द्र स्टेडियम को स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के रूप में विकसित करने का भी ऐलान किया है।

बिहार अब केवल ऐतिहासिक धरोहर और बौद्धिक ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 की सफल मेजबानी, बजट 2025-26 में खेलों के लिए ऐतिहासिक निवेश, खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और आधुनिक खेल सुविधाओं का विस्तार, ये सभी पहल बिहार को एक प्रमुख स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रहे हैं। अगर इन योजनाओं को सही तरीके से लागू किया गया और खेलों के प्रति यह प्रतिबद्धता बनी रही, तो आने वाले वर्षों में बिहार से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभरेंगे।

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दर्शाते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था। राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग-अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है। एक-दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी-अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे।

भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिस्तान आतंक की प्रयोगशाला है। उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिस्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिस्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए।

पहलगाम हमले पर विवादित पोस्ट, क्रिश्चियन नेता पन्नालाल पर FIR

रायपुर में हिंदू संगठनों ने किया था अर्धनग्न प्रदर्शन, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के 26 मृतकों की फर्जी लिस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद रायपुर में जमकर बवाल हुआ। अब पुलिस ने छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम के नेता अरुण पन्नालाल पर परिवारद्धद्ध दर्ज किया है। पन्नालाल पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप है। इसे लेकर हिंदू संगठनों ने उसके घर के बाहर रातभर अर्धनग्न प्रदर्शन कर विरोध जताया था। इस मामले में गौ सेवक आदेश सोनी ने बताया कि, अरुण पन्नालाल क्रिश्चियन फोरम से जुड़ा नेता है। उसने पहलगाम हमले के बाद अपने सोशल मीडिया पर एक लिस्ट जारी की। जिसमें हमले में 26 लोगों की मौत में 15 मुस्लिम समुदाय से बताया। इस लिस्ट में कई फर्जी नाम भी शामिल थे। यह लिस्ट पूरी तरह फर्जी और झूठी थी। इसमें शहीदों के नाम को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया था। सोनी ने कहा कि, अरुण पन्नालाल के खिलाफ हमने आजाद चौक थाने में शिकायत दी। इसके बाद पन्नालाल के खम्हारडीह थाना इलाके स्थित घर के बाहर देर रात तक अर्धनग्न प्रदर्शन किया। इस दौरान हमने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस विरोध प्रदर्शन में कई अन्य हिंदू संगठन भी शामिल गए। प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी हुई। सोशल मीडिया पर जो फर्जी लिस्ट जारी हुई उसमें रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया का नाम शामिल नहीं था। जिसके बाद दिनेश के रिश्तेदार अमर बंसल ने भी पुलिस में पन्नालाल के खिलाफ शिकायत दी थी। इस शिकायत के बाद पन्नालाल ने परिवार के लोगों से माफी मांगी थी। लेकिन हिंदू संगठन के कार्यकर्ता लगातार एक्शन की मांग कर रहे थे। फिलहाल आजाद चौक पुलिस ने अरुण पन्नालाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं में FIR दर्ज कर ली है। पुलिस इस मामले में अब आगे की कार्रवाई करेगी। इस मामले में अरुण पन्नालाल ने बातचीत में कहा था कि जो सोशल मीडिया पोस्ट को हटा लिया गया था। फिलहाल उनकी आईडी में इस लिस्ट से जुड़ी कोई भी पोस्ट नहीं है। पन्नालाल ने हिंदू संगठनों के विरोध प्रदर्शन को गलत बताया था। इस मामले में क्रिश्चियन समुदाय के एक संगठन डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ ने इस विवाद से किनारा किया था। इसके सचिव और प्रवक्ता नीतिन लॉरेंस ने कहा था कि छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम पूरे मसीही समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। मसीही समाज शासन प्रशासन के साथ मिलकर काम करता है। वह किसी भी एक तरफ बयानों का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहने की बात कही है।

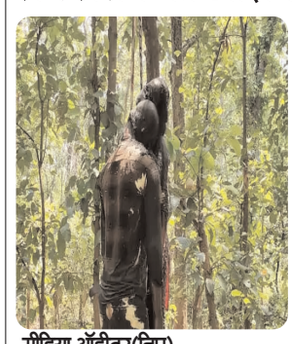

धमतरी में मिला युवक-युवती का शव

पेड़ से लटकी मिली 3-4 दिन पुरानी लाश, प्रेम-प्रसंग की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक युवक और युवती की लाश जंगल में पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकी मिली है। लाश करीब 3 से 4 दिन पुरानी बताई जा रही है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आशंका जताई है कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा आत्महत्या का हो सकता है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। यह मामला सिहावा थाना क्षेत्र के ग्राम टांगापानी का है। जानकारी के अनुसार, टांगापानी गांव से लगभग 4 किलोमीटर दूर घने जंगल में ग्रामीण जब जंगल की ओर गए तो उन्हें तेज़ दुर्गंध का अहसास हुआ। पास जाकर देखा तो एक ही पेड़ की डाल से युवक और युवती की लाशें लटकी हुई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पंचनामा कर शवों को नीचे उतरवाया और जांच शुरू कर दी है। दोनों शवों की हालत बेहद खराब है और वे सड़-गल चुके हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत को 3 से 4 दिन बीत चुके हैं। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि युवक और युवती की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। युवती की उम्र लगभग 20-25 वर्ष और युवक की उम्र 25-28 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने आशंका जताई है कि दोनों ने एक ही पेड़ की डाल से स्कार्फ के सहारे फांसी लगाई है। सिहावा थाना प्रभारी ने आशंका जताई है कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा आत्महत्या का हो सकता है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। शवों की स्थिति को देखते हुए पहचान करना मुश्किल हो गया है। पुलिस ने आस-पास के थानों में फोटो और वीडियो साझा कर सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी जुटाने की कोशिश शुरू की है। यदि किसी लापता व्यक्ति की शिकायत और इन शवों के हुलिए से मिलान होता है, तो सिहावा थाना को सूचित करने की अपील की गई है।

नाबालिग ने स्कार्पियो से बच्ची को कुचला

डोंगरगांव में दुकान से लौट रही थी, आरोपी फरार घटना सीसीटीवी में कैद

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

राजनांदगांव के डोंगरगांव में तेज रतार स्कार्पियो ने 6 साल की मासूम बच्ची को रौंद दिया। घटना उस समय हुई जब बच्ची अपनी बहन के साथ स्टेशनरी शॉप से पेन-कॉपी खरीदकर लौट रही थी। हादसे के बाद आरोपी वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस हादसे में बच्ची को गंभीर चोटें आई हैं और उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही है। फिलहाल बच्ची को राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। यह मामला डोंगरगांव थाना का है। यहां बुधवार शाम 6 साल की खुशिका कुंभकार अपनी बहन के साथ सदर लाइन में पास की स्टेशनरी शॉप से पेन-कॉपी खरीदकर लौट रही थी। इसी दौरान सीजी 08 एवाई 1831 नंबर की स्कार्पियो एक तंग गली से तेज रतार में आई। गाड़ी को तेज रतार में आता देख बच्ची एक तरफ किनारे खड़ी हो जाती है। इसके बाद भी तेज रतार स्कार्पियो मासूम बच्ची को रौंदते हुए आगे चली गई। गाड़ी के आगे बढ़ने के बाद बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। हादसे के बाद उसकी बहन ने उसे उठाया। इसके बाद घर के लोगों को घटना की जानकारी दी। मौके मौजूद लोगों के अनुसार वाहन को नाबालिग लड़का चला रहा था।इधर, हादसे के बाद आरोपी नाबालिग वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस हादसे में बच्ची को गंभीर चोटें आई हैं और उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही है। घर वाले बच्ची को तुरंत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

नक्सलियों को माफ नहीं साफ करेगी सरकार

हमलों में अपनी आंखें-टांगे गंवा चुके आदिवासी पहुंचे राज्यपाल के पास, बोले- उनको छोड़िएगा मत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छीसगढ़ के बीजापुर-कांकेर समेत बस्तर संभाग के नसल पीड़ित आदिवासियों ने गुरुवार को राज्यपाल से मुलाकात की। किसी ने अपनी आंखें खो दी हैं, तो किसी ने टांगे। आदिवासियों ने आवेदन में बताया कि, नसलियों ने ग्रामीणों की जिंदगी को बुरी तरह से बर्बाद किया है। ऐसे लोगों को छोड़ना नहीं चाहिए। उनके खिलाफ सत एशन होना चाहिए। मुयमंत्री विष्णुदेव साय ने भी ग्रामीणों का समर्थन करते हुए कहा है कि, उनकी मांग जायज है। माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग ग्रामीणों ने की है। वहीं, नसलियों की तरफ हमदर्दी रखने वाले कुछ संगठन के लोगों ने नसलियों और सरकार से वार्ता की पेशकश की है। दूसरी तरफ बीजापुर में सरकार का एशन जारी है। इन कवायदतों से सरकार ने बड़ा इशारा दिया है कि, अब नसलियों को माफ करने की बजाय उन्हें साफ करने के मूड में सरकार आ चुकी है। एक दिन पहले गृह मंत्री विजय शर्मा ने भी नसलियों की ओर से वार्ता का प्रस्ताव रखने वाले लोगों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि, आखिर यह लोग तब कहां थे जब 76 जवानों को नसलियों ने शहीद कर दिया, जब नसलियों ने झीरम हमला किया था। प्रतिनिधिमंडल ने मुयमंत्री साय से कुर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में चल रहे नसल विरोधी अभियान को निर्णायक मोड़ तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बस्तर के हजारों परिवार चार दशकों से माओवादी आतंक की विभीषिका का सामना कर रहे हैं, जिसने क्षेत्र की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक बुनियाद को गहरा नुकसान पहुंचाया है। मुयमंत्री साय ने कहा कि कुर्रेगुट्टा में चलाया जा रहा सुरक्षा अभियान निर्णायक चरण में है। सरकार किसी भी कीमत पर नसल उन्मूलन अभियान को पूर्ण करेगी ताकि बस्तर के विकास को गति मिले। मुयमंत्री ने स्पष्ट किया कि नसलवाद सिर्फ एक हिंसक आंदोलन नहीं, बल्कि हमारी सह-अस्तित्व पर आधारित संस्कृति पर खतरा भी है। हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और सरकार की समावेशी विकास की नीति से बस्तर में शांति और विकास की आशा फिर से जगी है। ग्रामीणों ने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों को इस नई जागरूकता और विश्वास का प्रतीक बताया।

सरगुजा में कब्र खोदकर पुलिस ने निकाली लाश

युवती ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी मंगेतर की हत्या, गड्ढा खोदकर दफनाया शव

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में कब्र खोदकर एक शव को बाहर निकाला गया है। मामला हत्या से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि, 6 मई को एक युवती की शादी होने वाली थी लेकिन उससे पहले युवती ने अपने मंगेतर को मिलने बुलाया और प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या करवा दी। सबूत मिटाने के लिए दोनों ने मिलकर लाश को दफना दिया था। लाश दफनाने के बाद प्रेमी-प्रेमिका अपने-अपने घर चले गए थे। जांच के दौरान पुलिस को जब सबूत मिले तो डर के चलते वे फांसी लगाकर आत्महत्या करने प्लानिंग भी करने लगे। हालांकि इससे पहले ही पुलिस ने प्रेमी-प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया। मामला बतौली थाना क्षेत्र का है।जानकारी के मुताबिक, घोघरा गांव निवासी पुष्पा केरकेट्टा (20 साल) की शादी सीतापुर के जजगा निवासी अमृत लकड़ा (25 साल) के साथ तय हुई थी। विवाह की रस्में 5 मई से शुरू होने थी। 7 मई को बारात आने वाली थी। इससे पहले ही पुष्पा की मंगेतर अमृत से बात होने लगी थी। इस बीच 26 अप्रैल को अमृत लकड़ा घोघरा बारात में आया था, जहां से पुष्पा ने उसे मिलने के लिए केरकेट्टा बुलाया। उसे जंगल किनारे ले गई, जहां पहले से प्रेमी बबलू छिपा हुआ था। उसने कुल्हाड़ी से अमृत सीने, सिर और चेहरे पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद उसका गला भी घोंटा। फिर दोनों ने मिलकर उसके शव को गड्ढा खोदकर दफन कर दिया।

मोबाइल लोकेशन से हुआ शक

अमृत लकड़ा के अचानक लापता होने से परेशान परिजनों ने 28 अप्रैल को सीतापुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अमृत के मोबाइल की कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन की जांच की। जिससे पता चला कि, लापता होने के पहले उसकी पुष्पा केरकेट्टा के साथ बातचीत हुई थी। उसका आखिरी मोबाइल लोकेशन भी घोघरा में मिला। इस आधार पर पुलिस ने पुष्पा से पूछताछ की, लेकिन उसने कुछ भी जानकारी होने से इनकार कर दिया। पुलिस ने जब पुष्पा केरकेट्टा के मोबाइल की कॉल रिकार्ड की जांच की, तो पता चला कि उसकी लंबी बातचीत बबलू जहान टोप्पो 22 से होती रही है।

प्रेमी-प्रेमिका ने कबूला गुनाह

पुलिस ने पुष्पा केरकेट्टा के साथ उसके प्रेमी बबलू को भी बुधवार को हिरासत में लिया। दोनों से अलग-अलग कड़ाई से पूछताछ की गई। पुलिस पूछताछ में दोनों टूट गए। उन्होंने अमृत की हत्या करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर बुधवार शाम पुलिस उस स्थान पर भी पहुंच गई, जहां दोनों ने उसका शव दफन किया था। पुलिस ने कब्र की खुदाई के लिए दंडाधिकारी की अनुमति ली। फिर गुरुवार सुबह बतौली, सीतापुर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्र से बाहर निकाला गया। फोरेंसिक एसपर्ट की टीम भी इस दौरान मौजूद रही

पुलिस पूछताछ में पता चला कि, पुष्पा और प्रेमी बबलू पर जब पुलिस दबाव बनाने लगी, तो दोनों सहम गए। दोनों ने साथ मरने की प्लानिंग भी कर ली थी। दोनों ने फांसी लगाने के लिए बाजार से रस्सी भी खरीदी थी। लेकिन वे ऐसा कुछ कर पाते, इससे पहले ही पुलिस ने दोनों को गिरतार कर लिया। इस मामले में एसडीओपी राजेंद्र मंडावी ने बताया कि, जांच में यह भी पता चला है कि युवती और उसके प्रेमी ने कई महीने पहले युवक के हत्या की साजिश रची थी।

वाहन चेकिंग के दौरान ASI ने कार ड्राइवर को मारा

वायरल होने के बाद लाइन अटैच, SSP ने दिए जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

जशपुर जिले में एक, स्द्ध और कार ड्राइवर के बीच मारपीट हो गई। लोदाम थाना क्षेत्र में बुधवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर वाहन चेकिंग के दौरान एएसआई कार चालक से कथित रूप से हाथापाई करने लगा। इसका वीडियो भी सामने आया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद स्द्ध मनोज भगत लाइन अटैच कर दिए गए है। एसएसपी शशि मोहन सिंह वे कार्रवाई की। मामले की जांच एसडीओपी चंद्रशेखर परमा को सौंपी गई है। जांच में दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने इस घटना को पुलिस आचरण के विपरीत बताया है। एसएसपी ने इस प्रकरण के बाद जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि, वाहन चेकिंग के दौरान अपना व्यवहार मर्यादित रखें। यदि कोई व्यक्ति अभद्रता करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, लेकिन पुलिसकर्मी स्वयं संयम न खोएं। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने इस कृत्य को "अशोभनीय एवं पुलिस आचरण के विपरीत" बताते हुए एएसआई मनोज भगत को तत्काल लाईन अटैच कर दिया है। साथ ही मामले की जांच की जिम्मेदारी एसडीओपी चंद्रशेखर परमा को सौंपी गई है। जांच पूरी होने के बाद दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ठेकेदार ने ड्राइवर को बेल्ट से पीटा, थूककर चटवाया

डीजल चोरी का आरोप, गुस्साए भारत माला प्रोजेक्ट के ड्राइवरों ने कॉन्ट्रैक्टर्स से की मारपीट

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कांकेर जिले में भारत माला सड़क निर्माण परियोजना के ठेकेदार ने वाहन चालक से मारपीट की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वह डीजल चोरी के आरोप में चालक को बेल्ट से खूब मारा और थूक के चटवाया है। मामला दुधावा थाना क्षेत्र का है। कोंडागांव के बासनवाही में ठेकेदार ने पहले वाहन चालक से मारपीट की थी। उसके गुहार लगाने के बावजूद वह नहीं रुका और दहशत फैलाने के लिए वीडियो वायरल कर दिया। इस घटना के अगले दिन 29 अप्रैल को वाहन चालकों ने एकजुट होकर ठेकेदार से बदला लिया, सड़क पर उसकी पिटाई की गई। इस दौरान बीच-बचाव करने आए कंपनी के मैनेजर को भी पीटा गया। जानकारी के मुताबिक, भारत माला प्रोजेक्ट के तहत कांकेर-कोंडागांव के बीच बन रहे छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े टनल प्रोजेक्ट में काम कर रहे वाहन चालकों का वेतन रोक दिया गया है। परिवार के भरण-पोषण की चिंता में कुछ चालक डीजल चोरी करने को मजबूर हुए हैं। दुधावा पुलिस के मुताबिक, यह घटना कोंडागांव क्षेत्र की है। प्रोजेक्ट में छत्तीसगढ़ के कई जिलों से आए कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। वेतन नहीं मिलने की समस्या से श्रमिकों और प्रबंधन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

निर्माण कार्य के दौरान हुई 4 मौतें

बता दें कि भारत माला प्रोजेट के तहत निर्माण कार्य के दौरान कांकेर जिले के दुधावा और कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी इलाके में वाहन चालक, हेल्पर सहित अब तक 4 कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, जिसमें कुछ मामले संदिग्ध भी हैं। एक चालक की मौत कैंप में वाहनों के वॉश एरिया में और एक कर्मचारी की वाहन में दबने से हुई थी। वाहन चालकों ने सभी मामलों पर जांच करने की मांग की है और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और प्रशासन के निरीक्षण की भी मांग की है। घायल को ग्रामीणों ने पहचानने से मना कर दिया है। मारपीट करने वाले कंपनी मैनेजर की पहचान अमित मिश्रा और उसके सहयोगी कर्मचारी पिंटू जेना के रूप में की गई।

किसी ने हाथ रख दिया,तो प्रॉपर्टी वक्फ हो जाती थी

कांग्रेस ने ऐसे बदलाव किए थे,मोदी सरकार ने इस्लामिक मूल्यों पर बदलाव किए

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

भारत सरकार ने आखिरकार वक्फ कानून में बदलाव क्यों किए हैं ? इस सवाल के जवाब में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने रायपुर में कहा कि, क्योंकि 2013 में यूपीए कांग्रेस सरकार को हार का डर था। हड़बड़ाहट में उसने फैसला किया। उसके तहत ये था कि कोई भी अगर हाथ रखकर कह दे तो वो वक्फ प्रॉपर्टी हो जाती थी। फिर चाहे वह किसी की भी अधिकृत प्रॉपर्टी हो। जितेंद्र सिंह ने कहा कि, मजहब इस बात की इजाजत नहीं देता कि आप किसी शोषित व्यक्ति या गरीब की प्रॉपर्टी हड़प कर धर्म के नाम पर कर लो। यह अधिनियम जो अभी लाया गया है इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी और इसमें जो बदलाव हुए हैं वो यह अधिनियम न केवल वंचित मुस्लिम समुदाय के हित में है. बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि इस्लाम धर्म के भी सर्वोच्च मूल्य का सम्मान देने वाला है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी वक्फ कानून को लेकर जन जागरूकता अभियान शुरू करने जा रही है। इसलिए सबसे पहले भाजपा के सांसद, विधायक, मंत्री और संगठन के बड़े नेताओं को एक वर्कशॉप में कानून में हुए बदलाव को लेकर ट्रेनिंग दी जा रही है। कानून की क्लास प्रदेश भाजपा कार्यालय परिसर में गुरुवार को लगाई गई। जिसमें प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव समेत भाजपा के तमाम नेता शामिल हुए।इस कार्यशाला में राष्ट्रीय महामंत्री डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने सभी नेताओं को जानकारी दी। प्रदेश भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, निगम-मंडल-आयोग-बोर्ड के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष भाजपा, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, समस्त प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक-सहसंयोजक, नगर पालिक निगम महापौर-सभापति, समस्त जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, जिला समिति वक्फ बिल जनजागरण अभियान के लोगों ने डॉ राधामोहन की क्लास अटेंड की।

दहेज प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने लगाई फांसी

सरगुजा में पति बाइक और पैसों की डिमांड करता था, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा जिले में दहेज प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्राम मायापुर में रवीना पैकरा 22 की शादी दीपक पैकरा 25 से हुई थी। शादी के बाद से ही पति दहेज में बाइक और पैसे की मांग कर उसे प्रताड़ित कर रहा था। मामला नवंबर 2024 का है। प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता मायके आ गई थी। उसके बाद भी पति उसे परेशान करता था जिससे तंग आकर उसने फांसी लगा ली। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी पति को दहेज हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। मामला बतौली थाना क्षेत्र का है। रवीना पैकरा 22 बतौली के ग्राम टिरंग की रहने वाली थी और दीपक पैकरा सूरजपुर जिले के मायापुर का निवासी था। दीपक पैकरा ने दहेज में बाइक नहीं मिलने को लेकर पत्नी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वह पत्नी से बार-बार मायके से बाइक एवं पैसे लाने की मांग कर दबाव बना रहा था। पति से परेशान होकर रवीना अपने मायके आ गई थी। इसके बाद पति दीपक पैकरा ने उसपर दबाव बनाया कि वह बाइक एवं पैसे नहीं लेकर आएगी तो वह उसे नहीं रखेगा। 12 नवंबर 2024 को रवीना अपने रिश्तेदारों के साथ बांसाझाल साप्ताहिक बाजार गई थी। वहां से वह शाम को लौटी। रवीना ने घर के पास बीही के पेड़ में फांसी लगा ली। रवीना के पिता शिवनाथ पैकरा ने बतौली थाने में घटना की सूचना दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वे सामान्य किसान परिवार से हैं एवं दामाद को मंहगी बाइक एवं उसकी मांग के अनुसार पैसे नहीं दे पाए। पुलिस जांच में रवीना पैकरा को पति दीपक पैकरा द्वारा बाइक एवं पैसों की मांग को लेकर प्रताड़ित करने की जानकारी मिली। पुलिस ने जांच के बाद पति दीपक पैकरा के खिलाफ धारा 80 2 बीएनएस का अपराध दर्ज किया। बतौली थाना प्रभारी सीपी तिवारी ने बताया कि पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक पैकरा को मायापुर, प्रतापपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के 2,813 लेक्चरर्स-हेडमास्टर्स प्रमोट होकर प्रिंसिपल बने

काउंसलिंग के जरिए पोस्टिंग होगी, 2,621 बर्खास्त बीएड शिक्षकों को भी किया गया एडजस्ट

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ में 2,813 लेक्चरर्स और हेडमास्टर्स को प्रमोट कर प्राचार्य बनाया गया है। हाई-हायर सेकेंडरी स्कूलों में इनकी पोस्टिंग काउंसलिंग के जरिए की जाएगी। यह फैसला ऐसे वक्त आया है जब युक्तियुक्तकरण (री-एडजस्टमेंट) की प्रक्रिया को लेकर प्रदेश में विवाद गहराया हुआ है। ऐसे में यह पदोन्नति आगे की कवायदों का आधार मानी जा रही है। वहीं, इससे पहले बर्खास्त 2,621 बीएड शिक्षकों को भी बहाल कर दिया गया। ये सभी सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर एडजस्ट किए जाएंगे। कैबिनेट ने इसे मंजूरी दी है। बुधवार को जारी आदेश में बताया गया कि ई संवर्ग के 1478 और टी संवर्ग के 1335 लेक्चरर्स को प्राचार्य पद पर प्रमोट किया गया है। सभी को हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में रिक्त पदों पर पदस्थ किया जाएगा। फिलहाल केवल प्रमोशन का आदेश जारी किया गया है, पदस्थापना अगले सप्ताह काउंसलिंग के जरिए की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग में आखिरी बार साल 2016 में और आदिम जाति कल्याण विभाग में 2013 में प्रमोशन हुआ था। इसके बाद से लगातार प्रमोशन की मांग उठती रही, लेकिन हर बार प्रक्रिया किसी न किसी वजह से अटकती रही। लंबा इंतजार इस कदर बढ़ गया कि कुछ लेक्चरर्स प्रमोशन का सपना लिए ही रिटायर हो गए। प्रदेश में इन दिनों शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया चर्चा में है। शिक्षकों के विरोध के बीच कांग्रेस भी खुलकर समर्थन में आ गई है। ऐसे माहौल में 2,813 प्राचार्यों का प्रमोशन और फिर जल्द ही उनकी काउंसलिंग के जरिए पोस्टिंग यह संकेत दे रही है कि सरकार पहले हाई-लेवल स्कूल मैनेजमेंट को मजबूत कर रही है, ताकि युक्तियुक्तकरण के दौरान जिम्मेदार नेतृत्व वाले स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती की जा सके।

पहलगाम हमला, आईएनएस सूरत हजीरा पोर्ट पर तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने डिफेंस सोर्स के हवाले से बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ से फोन पर बात की। हालांकि इसकी डिटेल सामने नहीं आई है। इस बीच नेवी का जंगी जहाज आईएनएस-सूरत गुरुवार को पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात किया गया है। यहां नेताओं और नेवी अफसरों ने इसका स्वागत किया। इंडियन नेवी ने अपने सभी वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड को भी अलर्ट पर रखा गया है। उधर, पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर अपने झंडे फिर लगा दिए हैं। एक दिन पहले पाक ने चौकियों से झंडे हटा दिए थे। इस बीच खबर है कि पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी है।

एचएएल की एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव को उड़ान की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी और इंडियन एयरफोर्स के लिए एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव को जांच के बाद उड़ान की मंजूरी मिल गई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने इसे जल्द शुरू करने की योजना बनाई है। तकनीकी खराबी के कारण इसकी उड़ान पर रोक लगी थी।एएलएच ध्रुव के स्वैशप्लेट में खराबी की बात सामने आई थी। इसका पता 5 जनवरी 2025 को पोरबंदर में हुए हेलिकॉप्टर क्रैश के बाद चला था। हादसे में कोस्ट गार्ड के दो पायलट और एक क्रू मेंबर की मौत हुई थी। हादसे की जांच में स्वैशप्लेट की खराबी के कारण क्रैश की बात सामने आई थी। एएलएच ध्रुव के अलावा दूसरे हेलिकॉप्टरों में भी इस तरह की खराबी पाई गई थी। इसके बाद जनवरी 2025 से 300 से अधिक ध्रुव हेलिकॉप्टरों की उड़ानें रोक दी गईं थी। इंडियन एयरफोर्स के पास 107, नेवी के पास 14 और आर्मी के पास 191 ध्रुव हेलिकॉप्टर हैं। साल 2024 तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने कुल 400 से अधिक ध्रुव हेलिकॉप्टर का उत्पादन किया है, जिनमें सैन्य और नागरिक दोनों वर्जन शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी बोलीं- कश्मीरियों-मुस्लिमों के खिलाफ न जाएं

करनाल (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने गुरुवार को कहा, %घटना के बाद लोग जिस तरह से मुस्लिम और कश्मीरियों के खिलाफ बोल रहे हैं, वो नहीं होना चाहिए। वी वांट... जस्ट पीस एंड ऑनली पीस। हमें न्याय चाहिए। जिन लोगों ने गलत किया है उनको सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, पूरे देश से अपील करना चाहती हूं कि विनय नरवाल के लिए प्रार्थना करें। मैं एक और चीज कहना चाहती हूं कि मुझे किसी से नफरत नहीं है। उन्होंने ये बात पति विनय के बर्थडे पर आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान कही। शिविर में हिमांशी ने परिवार सहित रक्तदान किया।

मुंबई में डल्यूएवीई समिट में पीएम मोदी

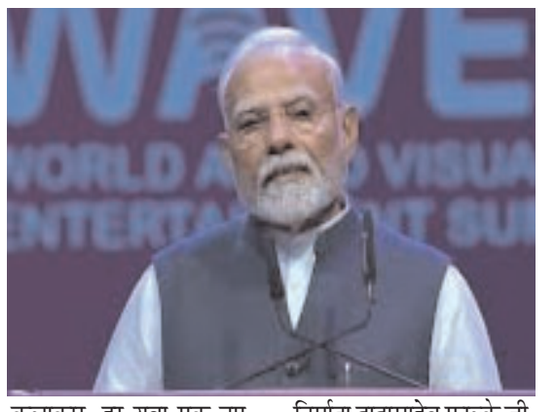

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट को संबोधित करते हुए कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है।पीएम ने कहा- डब्ल्यूएवीईएस ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है - कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा। भारतीय सिनेमा ने भारत को कोने-कोने तक पहुंचाया प्रधानमंत्री ने कहा- आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है।दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया मोदी बोले- आज डब्ल्यूएवीईएस में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की क्रिएटिविटी, कैपेबिलिटी और ग्लोबल कोलाबरेशन की बातें उठती थीं। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय लाल किले से मैंने सबका प्रयास की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में डब्ल्यूएवीईएस को नई ऊंचाई देगा।

26/11 मुंबई हमला मामला-एनआईए को तहव्वुर राणा के वॉयस और हैंडराइटिंग सैंपल लेने की इजाजत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के वॉयस और हैंडराइटिंग सैंपल लेने की इजाजत दे दी है। एनआईए स्पेशल कोर्ट के जज चंद्रजीत सिंह ने यह फैसला दिया। राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद 10 अप्रैल को स्पेशल प्लेन से भारत लाया गया था। एनआईए की एक टीम उसे लाने गई थी। प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन ऑपरेशन राणा% के तहत हुआ था। भारत लाने के बाद 10 अप्रैल को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में उसे पेश किया गया था। उसके बाद उसे एनआईए की कस्टडी में भेज दिया गया था। 30 अप्रैल को कोर्ट ने कस्टडी 12 मई तक बढ़ाई थी। राणा को शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। उस पर मुंबई के 26/11 और कोपेनहेगन में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था। 26 नवंबर, 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में घुसने के बाद रेलवे स्टेशन, दो होटलों और एक यहूदी केंद्र पर हमला किया। लगभग 60 घंटे तक चले हमले में 166 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर रहा, कनाडा का नागरिक है राणा 64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया।कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली।

केदारनाथ मंदिर 10 हजार किलो फूलों से सजाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल अक्षय तृतीया को खुल गए हैं। वहीं केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलेंगे। इसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारनाथ धाम पहुंच गई है। शुक्रवार सुबह विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। केदारनाथ धाम में तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

ऐतिहासिक मंदिर को 10 हजार किलोग्राम फूलों से सजाया गया है। इसमें 45 तरह के फूल शामिल हैं। ये फूल 8 राज्य और 3 देशों से मंगवाए गए हैं। श्रृंगार वडोदरा और कोलकाता के कारीगर कर रहे हैं।

मई में 4 दिन ज्यादा लू चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई में भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की संभावना है। आईएमडी के डायरेक्टर मृत्युंजय महापात्र के मुताबिक राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में लू के दिनों की संख्या सामान्य से चार दिन ज्यादा रहने का अनुमान है। उधर राजस्थान के बाड़मेर में गर्मी ने अप्रैल का 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां बुधवार को दिन का तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले 29 अप्रैल 2014 को 46.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ था। मध्य प्रदेश में मई महीने में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान और उत्तरप्रदेश बॉर्डर से जुड़े जिलों में तापमान 48 डिग्री के पार पहुंच चुका है। इस बार भी ऐसी ही गर्मी पड़ सकती है। देश में अप्रैल में 72 हीटवेव दिन दर्ज किए गए। राजस्थान और गुजरात में 6 से 11 दिन और पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 4 से 6 दिन तक लू चली। आमतौर पर यहां दो से तीन दिन हीटवेव के होते हैं। भारत के लिए साल 2024 सबसे ज्यादा गर्म सालों में से एक रहा था। बीते साल देश में 554 दिन हीट वेव का असर रहा था। साल में 365 दिन होते हैं, लेकिन हीट वेव के लिए इन्हें गिनने का अलग तरीका है। मान लीजिए किसी महीने दिल्ली में 10 दिन, राजस्थान में 15 दिन, क्कमें 12 दिन और बिहार में 8 दिन हीट वेव रही, तो हीट वेव डे 45 (10+15+12+8) माने जाएंगे। यानी उस महीने इन चार राज्यों में हीट वेव की कुल घटनाएं 45 हैं, न कि एक महीने में 45 दिन हीट वेव रही। ऐसे ही 2024 में 554 हीट वेव डे से मतलब देश में हीट वेव की कुल घटनाओं से है, न कि कैलेंडर के दिनों से।

डेरा मुखी राम रहीम की 21 दिन की फरलो पूरी

रोहतक (एजेंसी)। रोहतक जिले की सुनारिया जेल में हत्या और रेप के मामले में 20 साल की सजा काट रहे डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम को 9 अप्रैल को 21 दिन की फरलो मिली थी। अब यह अवधि पूरी होने के बाद गुरमीत राम रहीम सिरसा डेरे से शाम करीब 5 बजे सुनारिया जेल पहुंच गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच राम रहीम को सिरसा से सुनारिया जेल लाया गया। गुरमीत राम रहीम को इससे पहले 2 जनवरी 2025 को 30 दिन की पैरोल मिली थी, जिसमें से उसने 10 दिन सिरसा डेरे में और 20 दिन बरनावा (उत्तर प्रदेश) में बिताए थे, लेकिन इस बार 21 दिन की फरलो के दौरान वह सिरसा डेरे में ही रहा, जहां उसने अपने अनुयायियों से मुलाकात की और डेरे का स्थापना दिवस भी मनाया। 9 अप्रैल को फरलो मिलने के बाद राम रहीम सुबह करीब 6:30 बजे सुनारिया जेल से सिरसा के लिए रवाना हुआ था। उस समय उसके साथ लग्जरी गाड़ियों का काफिला था, जिसमें दो बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर, दो फॉर्च्यूनर और दो अन्य गाड़ियां शामिल थीं। इसी काफिले के साथ राम रहीम सुनारिया जेल पहुंचा है।

यह 13वीं बार था जब डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम जेल से बाहर आया था। रोहतक जेल प्रशासन ने पहले की तरह इस बार भी सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उसे गुपचुप तरीके से सिरसा भेजा था।

भाखड़ा डैम में पुलिस घेरा, बीबीएमबी के 4 अधिकारी बदले

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भाखड़ा नहर से पानी के बंटवारे को लेकर हरियाणा और पंजाब सरकार के बीच बड़ी लड़ाई शुरू हो गई है। पंजाब सरकार ने नंगल स्थित भाखड़ा डैम पर पुलिस का घेरा डाल दिया है। डैम के कंट्रोल रूम की चाबी भी पंजाब पुलिस ने ले ली है। किसी को डैम के आसपास जाने की इजाजत नहीं है। वहीं आम आदमी पार्टी ने इसको लेकर चंडीगढ़ में मीटिंग की। जिसमें सीएम भगवंत मान के साथ आप के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहे। मीटिंग के बाद पंजाब में आप

के प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कल शुक्रवार सुबह 10 बजे पंजाब में सर्वदलीय मीटिंग बुला ली गई है। सोमवार को पंजाब विधानसभा का स्पेशल सेशन भी बुलाया गया है।

यह बवाल तब बढ़ा, जब बुधवार देर शाम भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड की इमरजेंसी मीटिंग हुई, जिसमें हरियाणा को 4 हजार क्यूसिक की जगह पूरे साढ़े 8 हजार क्यूसिक पानी देना तय हुआ। मगर, पंजाब सरकार ने ये आदेश मानने से इनकार कर दिया।

इसके बाद बोर्ड में पंजाब के कोटे से नियुक्त वाटर रेगुलेशन डायरेक्टर इंजीनियर आकाशदीप को हटाकर हरियाणा कोटे के इंजीनियर संजीव कुमार को लगा दिया गया। इसके कुछ देर बाद ही बोर्ड के हरियाणा कोटे के सेक्रेटरी सुरिंदर मित्तल को हटा दिया गया।

सीआरपीएफ जवान की पत्नी को नहीं भेजा जाएगा पाकिस्तान

अमृतसर (एजेंसी)। जम्मू में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मुनीर खान की पाकिस्तानी पत्नी मीनल अहमद खान को पाकिस्तान डिपोर्ट नहीं किया गया। मंगलवार को उन्हें अमृतसर स्थित अटारी बॉर्डर ले जाया गया था, जहां से उन्हें पाकिस्तान भेजा जाना था, लेकिन कोर्ट से डिपोर्टेशन पर रोक लगा दी।

यह राहत भाजपा प्रवक्ता और एडवोकेट अंकुर शर्मा की ओर से कानूनी दखल के बाद मिली है, जिन्होंने मीनल के पक्ष में जम्मू की भलवाल कोर्ट में अपील दायर की थी। अब मीनल अपने पति और अन्य परिजनों के साथ वापस जम्मू लौट चुकी हैं। मीनल अहमद खान की शादी मई 2024 में मुनीर खान से ऑनलाइन हुई थी।

वे इस साल मार्च में भारत आईं, उस दौरान उन्हें शॉर्ट टर्म वीजा पर एंट्री मिली। भारत आने से पहले वह 9 वर्षों से इंतजार कर रही थीं। उन्होंने भारत में आने के बाद लॉन्ग टर्म वीजा के लिए आवेदन भी कर दिया था, जिसकी प्रक्रिया गृह मंत्रालय में लंबित थी।

धनबाद में आतंकी संगठन एचयूटी का एक और आतंकी गिरफ्तार

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड एटीएस ने बुधवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े एक और संदिग्ध आतंकी को धनबाद से गिरफ्तार किया। आतंकी का नाम अम्मार याशर (33) है। उसे शमशार भूली ओपी के शमशेर नगर से अरेस्ट किया गया है।

एटीएस ने उसके पास से मोबाइल और कई प्रतिबंधित दस्तावेज भी जब्त किए हैं। गुरुवार को कोर्ट में पेशी के बाद आतंकी को जेल भेज दिया गया है। एटीएस के अनुसार, अम्मार याशर प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से भी जुड़ा हुआ था। उसे साल 2014 में जोधपुर पुलिस ने अरेस्ट किया था। 10 साल जेल में रहने के बाद वह बीते साल मई महीने में रिहा हुआ था। जेल से बाहर आने के बाद वह अपने साथी अयान जावेद और दूसरे लोगों से संपर्क में रह कर एचयूटी से जुड़ा था। अम्मार पर 3 बड़े मामले दर्ज हैं।

अजमेर के होटल में आग, 4 लोगों की मौत

अजमेर (एजेंसी)। अजमेर के होटल में लगी आग में गुजरात के दंपती और उनके डेढ़ साल के बेटे समेत 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग झुलसे हैं। इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। महज 30 मिनट में आग ने पूरे होटल को चपेट में ले लिया था।

उधर, तेजी से फैलती आग की चपेट में एक अन्य बच्चा भी आ गया था। मां ने उसे उठाकर खिड़की से नीचे फेंक दिया। आग से बचने के लिए एक युवक चौथी मंजिल से कूद गया। डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में सुबह करीब 8 बजे आग लगी। देखते ही देखते आग होटल की 5वीं मंजिल तक पहुंच गई। होटल में बड़ी संख्या में जायरीन ठहरे हुए थे। करीब साढ़े तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया ने बताया- झुलसे हुए आठ लोग लाए गए थे। इनमें से चार की मौत हो गई।4 की हालत गंभीर है।15 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर लाया गया है। हॉस्पिटल में एडमिट चार में से एक व्यक्ति 90 प्रतिशत तक झुलस गया है। बाकी तीन 50 और 60 प्रतिशत तक झुलसे हैं। अजमेर के डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में गुरुवार सुबह आग भड़की तो होटल की चौथी मंजिल से दूसरी बिल्डिंग पर कूदकर जान बचाई। अजमेर के डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में गुरुवार सुबह आग भड़की तो होटल की चौथी मंजिल से दूसरी बिल्डिंग पर कूदकर जान बचाई। होटल तक पहुंचने का रास्ता संकरा है। इसलिए बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है।

गुजरात के खेड़ा में 5 भाई-बहनों समेत 6 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में खेड़ा जिले के महमदाबाद में बुधवार शाम को नदी में डूबने से मामा-बुआ के 5 बच्चों समेत 6 की मौत हो गई। देर रात तक चार के शव निकाल लिए गए थे।

जबकि, आज सुबह दो अन्य शव निकाले गए। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए और सभी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। कनीज गांव के सरपंच ने बताया कि यहां रहने वाले सोलंकी परिवार के लोग हादसे का शिकार हुए हैं। गर्मी की छुट्टियां होने के चलते रामजीभाई सोलंकी के यहां उनके रिश्तेदार भी आए हुए थे। बुधवार की शाम परिवार के 6 सदस्य मेश्वो नदी में में नहाने गए थे। इसी दौरान गहराई में जाने से 2-3 लोग डूबने लगे। इन्हें बचाने के लिए अन्य लोग कूदे और सभी डूब गए। आज सुबह निकाले गए दो और शव सूचना मिलने ही पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। इसके बाद गांव के लोगों की मदद से इनकी तलाश शुरू की गई। घटना के बाद कलेक्टर, जिला पुलिस प्रमुख, खेड़ा प्रांत और स्थानीय विधायक सहित अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए थे। कई घंटों की मशक्कत के बाद भी शव नहीं मिले तो नाडियाड फायर ब्रिगेड की मदद ली गई।

टूरिस्ट ने कचरा फेंका तो 1500 का कटेगा चालान

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल सरकार ने पहाड़ों को साफ-सुथरा बनाने के लिए 2 निर्णय लिए हैं। पहला- सभी कॉमर्शियल व्हीकल में डस्टबिन अनिवार्य किया गया है। दूसरा- पर्यटन स्थलों और पहाड़ों पर कचरा फेंकने वालों के चालान काटे जाएंगे। ये दोनों नियम 29 अप्रैल से लागू हो गए हैं। अब जिस टैक्सी, टैम्पो ट्रेवलर, प्राइवेट व सरकारी बस और बाहरी राज्यों के कॉमर्शियल वाहनों में डस्टबिन (कूड़ेदान) नहीं होगा, उसके मालिक को 10 हजार रुपए जुर्माना भरना होगा। वहीं, जो टूरिस्ट पहाड़ों पर या टूरिस्ट प्लेस को गंदा करेगा, उस पर 1500 रुपए का जुर्माना लगेगा। यह पेनल्टी स्थानीय लोगों पर भी लागू होगी। बता दें कि हिमाचल के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देश और विदेश से हर साल डेढ़ से 2 करोड़ टूरिस्ट पहुंचते हैं। इनमें ज्यादातर टूरिस्ट टैक्सी, वॉल्वो बसों और टैम्पो ट्रेवलर से आते हैं। हिमाचल सरकार के इस फैसले का इन टूरिस्टों पर सीधा असर होगा। प्रदेश सरकार के आदेश पर हिमाचल पथ परिवहन निगम और टैक्सी संचालकों ने अपनी गाड़ियों में डस्टबिन लगाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, नियम लागू जरूर हुआ है

पहलगाम हमले की न्यायिक जांच से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार का भी नाम था। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप

सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं। हम जांच (आतंकी हमले) के एक्सपर्ट कब से बन गए। हमारा काम केवल फैसला सुनाना है। हालांकि कोर्ट ने कहा स्टूडेंट की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर आज हाईकोर्ट जा सकते हैं। इसके बाद तीन याचिकाकर्ताओं में से एक ने याचिका वापस ले ली। किसने दायर की थी पिटीशन जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार का भी नाम है। याचिका में ये भी कहा गया है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार कश्मीर में पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।कश्मीर के पहलगाम स्थित बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इसमें एक नेपाल का टूरिस्ट भी शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

फिलिप्स को भारतीय कारोबार बढ़ने की उमीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड की एक अमरीकी कंपनी फिलिप्स ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की उम्मीद जताई है। कंपनी के क्षेत्रीय प्रमुख ने बताया कि उन्हें भारत में अपने कारोबार को दहाई अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के अगले पांच वर्षों में भारत में बड़ी उपलब्धियों की आशा है और उसके लिए दहाई अंकों की वार्षिक वृद्धि से मदद मिलेगी। फिलिप्स के अधिकारी ने यह भी कहा कि कंपनी न केवल स्थानीय बाजारों में बल्कि अपने वैश्विक बाजारों के लिए भी घरेलू सोर्सिंग को प्रोत्साहित कर रही है। फिलिप्स इंडिया के वित्त वर्ष 2023-24 में एकल आधार पर परिचालन राजस्व 6,000.4 करोड़ रुपये था, जो सालाना आधार पर 4.64 प्रतिशत अधिक था।

महाराष्ट्र दिवस के चलते 1 मई को बंद रहा शेयर मार्केट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार यानी 1 मई को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की आधिकारिक छुट्टियों की सूची के मुताबिक गुरुवार को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) सेगमेंट में कोई ट्रेडिंग नहीं की जाएगी। शेयर बाजार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य पर बंद रहेगा। इस दिन पूरे राज्य में समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और परेड आयोजित होते हैं, खासकर मुंबई में जो भारत की वित्तीय राजधानी भी है। बता दें 1 मई को मजदूर दिवस भी मनाया जाता है। यह भी सार्वजनिक अवकाश की तारीख है। एक दिन के अवकाश के बाद शुक्रवार 2 मई को ट्रेडिंग होगी। इसके बाद 3 और 4 मई को साप्ताहिक अवकाश की वजह से बाजार बंद रहेगा। 5 मई सोमवार का दिन है और इस दिन से पूरे हफ्ते सामान्य कारोबार होगा।

हरभजन ने बाबा महाकाल के दर्शन किये

उज्जैन (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उज्जैन पहुंचकर बाबा के दर्शन किये हैं। दर्शन और पूजा अर्चना के बाद हरभजन ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना की! उन्होंने कहा कि मंदिर समिति बहुत अच्छा काम कर रही है. यहां की दर्शन व्यवस्था बहुत अच्छी है। साथ ही कहा कि बाबा ऐसे ही बुलाते रहें। इसी की मै आगे भी कामना करता हूं। हरभजन ने कहा कि वह बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें महाकाल के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने सभी लोगों का आभार भी जताया है। उन्होंने कहा कि वह अपने को भाग्यशाली समझते हैं क्योंकि बाबा ने उन्हें दर्शनों के लिए बुलाया। तभी वह यहां दर्शन कर सके हैं। वहीं इस दिग्गज स्पिनर ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह घटना बहुत ही दुखद है। अब समय आ गया है कि जब हम सभी लोगोंको एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कठोरतम कदम उठाने चाहिए। इस प्रकार की घटनाओं को सहन नहीं किया जा सकता कि कोई हमारे देश में घुसकर ही लोगों को मारकर भाग जाये और हम ऐसे ही बैठे रहें। मंदिर परिसर में हरभजन को देखकर फैन्स की भीड़ लग गई और लोग उनके साथ सेल्फी लेने लगे।

लक्ष्मण की पारखी नजरों ने ढूंढा आईपीएल का पहला सबसे तेज शतक लगाने वाला युवा खिलाड़ी

आईपीएल डेयू भी ऐसा कि पहली ही गेंद पर छक्का

मुंबई (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर के इस 14 साल के लड़के ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है। राजस्थान रॉयल्स के इस खिलाड़ी ने वहां कारनामा कर दिखाया है जो उससे पहले किसी ने नहीं किया था। लेकिन यदि पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण की पारखी नजरें नहीं होतीं, तब शायद कच्ची उम्र में वैभव सूर्यवंशी का ऐसा वैभव नहीं दिखाता। लक्ष्मण ने ही राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ को वैभव का नाम सुझाया था।

14 साल के लड़के ने अपनी बेखौफ बैटिंग से क्रिकेट प्रशंसकों और दिग्गजों को दीवाना बना दिया है। पहले 13 वर्ष की उम्र में आईपीएल अनुबंध हासिल करने वाला खिलाड़ी बना है। इसके बाद फिर 14 वर्ष की उम्र में आईपीएल डेब्यू और डेब्यू भी ऐसा कि पहली ही गेंद पर लगा दिया शानदार छक्का। सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाला खिलाड़ी। इसके बाद तीसरे ही मैच में 35 गेंदडु में शतक बनाकर आईपीएल का सबसे तेज भारतीय शतकवीर। आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला भारतीय बना। आईपीएल में खेल रहा इकलौता ऐसा खिलाड़ी जो 2008 में आईपीएल की शुरुआत के वक्त पैदा तक नहीं हुआ था। वैभव का क्रिकेट करियर अभी शुरू ही हुआ है लेकिन उन्होंने अपनी उपलब्धियों की फेहरिस्त से इतिहास में अपना नाम दर्ज करा दिया है।

आत्मविश्वास ऐसा कि सोमवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पहले सुबह 10 बजे अपने बचपन के कोच को फोन लगाकर बोला-सर, आज मैं मारूंगा। कोच ने कहा एवमस्तु, मगर विकेट मत दे देना। फिर क्या था, लड़के ने मैच में गुजरात के गेंदबाजों की ऐसी कुटाई की कि वे कभी नहीं भूलने वाले है। सिर्फ 35 गेंद में शतक, 11 छक्के और 7 चौके। वैभव आज जो कुछ भी हैं, वहां उसके

परिवार के सपोर्ट, बचपन के कोच ब्रजेश झा, मनीष ओझा की सीख, कड़ी मेहनत और जुनून की वजह से हैं। लेकिन किस्मत का तारा वीवीएस लक्ष्मण ने चमकाया। रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण बीते 2 साल से वैभव के प्रदर्शन पर नजर रख रहे थे। उन्होंने ही राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल को सूर्यवंशी के बारे में बताया और टीम में लेने का सुझाव दिया। पिछले साल नवंबर में आईपीएल के मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी को 1.1 करोड़ रुपये में खरीद लिया। अब ये नन्हा क्रिकेटर देश और दुनिया में छा गया है।

बांग्लादेश से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी पाकिस्तान टीम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इसी माह उसकी टीम बांग्लादेश से घरेलू धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। इसके लिए बांग्लादेश टीम मई में पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। यह सीरीज 25 मई से 3 जून तक फैसलाबाद और लाहौर में खेली जाएगी। फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) के तहत तीन ही तीन एकदिवसीय के अलावा अब पांच टी20 मैच खेले जाएंगे जबकि पहले तीन टी20 मैच खेले जाने थे। पीसीबी ने कहा, यह सीरीज भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का ही हिस्सा है। इसमें पहले तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच शामिल थे पर अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को देखते हुए ही दोनों बोर्ड ने एकदिवसीय की जगह दो अतिरिक्त टी20 मैच कराने की बात कही है। ये मैच इकबाल स्टेडियम में होंगे। यहां 17 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबला खेला जाएगा। इस ऐतिहासिक स्थल पर अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2008 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच खेला गया था। इसमें 25 और 27 मई को होने वाले सीरीज के पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे जबकि बचे हुए तीन टी20 मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 30 मई, 1 और 3 जून को खेले जाएंगे। बांग्लादेश की टीम 21 मई को पहुंचेगी और 22 से 24 मई तक इकबाल स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेगी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपए सस्ता, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने की पहली तारीख को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव कम हो गए हैं। 1 मई से दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अप्रैल में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1762 रुपये में मिल रहा था और अब कीमत 1747 रुपये हो गई है। वहीं कोलकाता में कमर्शियल एलपीडी सिलेंडर की कीमत 1851, मुंबई में 1699 और चेन्नई में 1906 रुपये हो गई है। वहीं दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 853, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपये में बिक रहा है। इससे पहले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 8 अप्रैल को अपडेट हुए थे। उस समय सरकार ने 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ा दी थी। देशभर में 32.9 एलपीजी कनेक्शन हैं, इनमे से 10.33 करोड़ कनेक्शन उज्ज्वला स्कीम के तहत आते हैं। इस योजना के तहत सरकार गरीब परिवारों को प्रति सिलेंडर 300 रुपए तक की सब्सिडी देती है।

विजेंदर की पोस्ट से वैभव की उम्र पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल की उम्र में आईपीएल में अपनी आतिशी बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर फिर सवाल उठे हैं। इसका कारण है कि पूर्व भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने अपनी कए सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि अब उम्र की धोखाधड़ी क्रिकेट में भी हावी हो गयी है।

आयु धोखाधड़ी का मतलब गलत तरीके से उम्र कम करके खेलना है। ये आम तौर पर तब होता है जब जूनियर स्तर पर या उस स्तर पर जगह बनाने किया जाता है जहां एक तय उम्र की बात होती है हालांकि बीसीसीआई ने इस मामले को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई कदम भी उठाए हैं।

ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर ने सोशल मीडिया में लिखा, आज कल उम्र छोटी कर भी लोग क्रिकेट में भी खेलने लगे हैं। इसके बाद ही वैभव की उम्र को लेकर सवाल फिर उठन लगे हैं हालांकि आईपीएल में उम्र की ऐसी कोई सीमा नहीं है। वहीं एक क्रिकेट प्रशंसक ने अपने जवाब में लिख, भले ही वैभव ने अपनी उम्र कम छह माह ये एक साल कम बतायी हो पर 15 से 16 साल की उम्र में ऐसे बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। दूसरी ओर एक अन्य व्यक्ति ने वैभव का एक पुराना वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, वैभव निश्चित रूप से अपने अपनी बतायी गयी उम्र से बड़े हो सकते हैं क्योंकि इस क्रिकेट ने कुछ साल पहले ही कहा था कि वह अपनी उम्र से कम दिखता है। ऐसे में इस मामले को बीसीसीआई को देखना चाहिए।

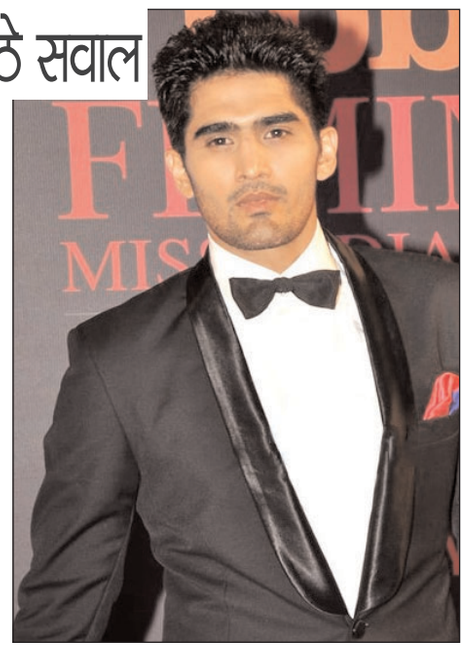

सेबी ने अडानी ग्रुप और उसके विदेशी निवेशकों को दिया झटका

सैटलमेंट के अनुरोध को रखा स्थगित, नियमों की कर रही समीक्षा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अडानी ग्रुप और उसके विदेशी निवेशकों को झटका दिया है। सेबी ने आंतरिक प्रक्रियाओं की समीक्षा होने तक नियामकीय शुल्कों का सैटलमेंट करने के अनुरोध को स्थगित रखा है। बीते दिनों सेबी ने बताया था कि सैटलमेंट याचिकाओं के नियमों की समीक्षा की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सैटलमेंट प्रक्रिया में एकरूपता की कमी और लगाए गए दंड की प्रकृति पर अस्पष्ट नियमों की वजह से समीक्षा की जा रही है। एक सूत्र ने कहा कि समीक्षा में तीन महीने का समय लग सकता हैं जिसके बाद अडानी की याचिकाओं पर नई प्रक्रियाओं के तहत विचार किया जाएगा। सूत्र के मुताबिक अडानी ग्रुप की 30 संस्थाओं ने इनमें से कुछ

विनियामक शुल्कों का सैटलमेंट करने के लिए आवेदन किया है। रिपोर्ट में सूत्र ने बताया कि अडानी ग्रुप की याचिकाएं निपटान के लिए लंबित तीन सौ से ज्यादा आवेदनों में से हैं, लेकिन सबसे प्रमुख की समीक्षा की जा रही है। बता दें सेबी की सैटलमेंट प्रक्रिया के तहत निवेशक और बाजार सहभागी बिना किसी अपराध के स्वीकारोक्ति या इनकार के मौद्रिक जुर्माना भरते हैं या विनियामक निर्देशों से सहमत होते हैं। इससे पहले अडानी ग्रीन एनर्जी ने बताया था कि समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अडानी और दो अन्य कंपनी अधिकारियों पर अमेरिकी अदालत में अभियोग लगाए जाने के मामले में नियामकीय अनुपालन की एक स्वतंत्र समीक्षा में कोई भी अनियमितता या गैर-अनुपालन नहीं पाया है। पिछले साल नवंबर में अमेरिकी अधिकारियों ने अडानी उनके भतीजे और कार्यकारी निदेशक सागर अडानी और प्रबंध निदेशक विनीत एस जैन पर सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की कथित योजना में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके अलावा इन पर अमेरिकी निवेशकों से धन जुटाने की कोशिश करते समय अपनी योजना को छुपाने का आरोप भी लगा था। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी पर आरोप है कि सौर ऊर्जा बिक्री अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को कथित रूप से 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत दी गई। इस अनुबंध से कंपनी को 20 साल की अवधि में दो अरब डॉलर का लाभ होने का अनुमान था। अडानी ग्रुप ने पहले सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इनकार किया था और कहा था कि वह अपना बचाव करने के लिए कानूनी विकल्प अपनाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को दी रवि शास्त्री ने सलाह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। वैभव ने अब तक इस सत्र में डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। वैभव ने अपनी आक्रामक शतकीय पारी से भी एक नया रिकार्ड बनाया है। शास्त्री ने कहा है कि अपने करियर में और आगे जाने के लिए उन्हें बीच में आने वाली चुनौतियों से भी निपटना सीखना होगा। वैभव की भावना और तेजी ने भी शास्त्री को प्रभावित किया है। शास्त्री ने बताया कि आईपीएल पूरे देश की उभरती प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा मंच बन गया है। इससे वैभव जैसे सितारे निकल रहे हैं। वैभव ने अपने पहले ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ20 गेंदों पर 34 रनों की तूफानी पारी खेली थी। जिसमें आईपीएल में अपनी पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर पर छक्का भी लगाया था। वहीं गुजरात टाइटंस के खिलाफ इस बल्लेबाज ने चौके, छक्कों की बरसात करते हुए शतक लगाया था। पूर्व कोच ने कहा कि जब आप किसी की पहली गेंद पर छक्का लगाते हैं तो अंदाज होता है कि आप कोई नरमी नहीं दिखाते। फिर आपको परवाह नहीं होती कि कौन गेंदबाजी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इसलिए उसे इसकी आदत डालनी होगी और एक बार जब हम उसे संभालते हुए देखेंगे तो आप सही निर्णय ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि, लेकिन जब आपको लगता है कि कोई खिलाड़ी अच्छा है, तो उसे मौका दें क्योंकि आप जानते हैं कि उसे

सिर्फ देखना ही अहम नहीं है। बल्कि अगर वह अच्छा खेलता है और आत्मविश्वास से भरा है और आपको लगता है कि वह उच्च स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है इसलिए उसे लगातार अवसर दें।

हार के साथ ही चेन्नई प्लेऑफ की रेस से बाहर, पंजाब ने 4 विकेट से हराया

चहल ने हैट्रिक ली

चेन्नई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 49वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 190 रन पर ऑलआउट कर दिया । इस तरह पंजाब को 191 रन का टारगेट मिला । चेपॉक स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। चेन्नई की टीम 19.2 ओवर में ऑलआउट हो गई। पंजाब ने 191 रन का टारगेट 19.3 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 72 और प्रभसिमरन सिंह ने 54 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर 72, शशांक सिंह 23, नेहल वाधेरा 5 रन, प्रभसिमरन सिंह 54 और प्रियांश आर्या 23 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस को मथीश पथिराना, शशांक को रवींद्र जडेजा, नेहल को मथीशा पथिराना, प्रभसिमरन को नूर अहमद और प्रियांश को खलील अहमद ने कैच आउट कराया। पंजाब से युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में दूसरी बार हैट्रिक ली। उन्होंने 19वें ओवर में नूर अहमद (शून्य), अंशुल कंबोज (शून्य), दीपक हुड्?डा (2 रन) और एमएस धोनी (11 रन) को आउट किया। उन्होंने 2022 में कोलकाता के खिलाफ भी एक ओवर में 4 विकेट झटके थे। सैम करन ने 88 रन और डेवाल्ड ब्रेविस ने 32 रन बनाए।

बीसीसीआई बना रहा आईपीएल विस्तार का प्लान

94 मैच खिलाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आईपीएल के आगामी संस्करणों में विस्तार की योजना पर विचार किया जा रहा है। बीसीसीआई का प्लान था कि 2025 तक आईपीएल के मैचों की संख्या बढ़ाकर 84 की जाए, लेकिन अत्यधिक व्यस्त कार्यक्रम और प्रसारणकर्ताओं की आपत्तियों के चलते विस्तार में देरी हो गई। अब भविष्य में आईपीएल के विस्तार पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। बीसीसीआई के चेयरमैन अरुण धूमल ने साफ कहा कि आगामी मीडिया-राइट्स चक्र के तहत, जो 2028 से शुरू होगा, आईपीएल को होम-एंड-अवे प्रारूप में 94 मैचों के साथ आयोजित करने पर विचार कर रहे हैं। धूमल ने कहा कि यह एक अवसर हो सकता है और हम इस बारे में आईसीसी और बीसीसीआई में चर्चा कर रहे हैं। द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी आयोजनों के संदर्भ में प्रशंसकों की रुचि किस तरह से बदल रही है, इस पर विचार किया जा रहा है। हमें खेल के हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य बनाने के तरीके पर गहरी सोच रखनी होगी। हम आईपीएल को बढ़ाकर 74 से 94 मैचों तक करने का प्लान तैयार कर रहे हैं, ताकि हर टीम को घर और बाहर खेलते हुए प्रत्येक अन्य टीम से मुकाबला करने का मौका मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में, यह विचार अल्पावधि में व्यावहारिक नहीं हो सकता क्योंकि द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी आयोजनों के संबंध में बीसीसीआई की पहले से तय विंडो है। धूमल का माना है कि भविष्य में जब क्रिकेट की परिस्थितियां बदलेंगी, तो इस विषय पर फिर से विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके विस्तार के लिए संभावित रूप से अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में दो और सप्ताह जोड़ने की जरुरत होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अल्पावधि में आईपीएल का वर्तमान स्वरूप ही सही है और इसमें किसी तरह का बदलाव अभी संभव नहीं है। इस बारे में जब फ्रेंचाइजी अधिकारियों से पूछा गया, तो उन्होंने 94 मैचों के सीजन को प्राथमिकता दी है। उनका मानना है कि यह विस्तार आईपीएल के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका निर्भरता इस बात पर होगी कि ब्रॉडकास्टर इसे कितनी प्राथमिकता देते हैं, खासकर रिलायंस और डिज्नी के विलय के बाद, जो अब जियोस्टार है। इसके अलावा, इस सीजन के दौरान टीवी और स्ट्रीमिंग दर्शकों की संख्या आम तौर पर मध्य सीजन में घट जाती है, और ब्रॉडकास्टर्स इसे थकान का कारण मानते हैं। आईपीएल 2025 संस्करण की सफलता की धूमल ने तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह सीजन कड़ी प्रतिस्पर्धा और युवा भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से भरा था।

उन्होंने यह भी कहा कि यह बहुत अच्छा होगा अगर इस सीजन में कोई ऐसी टीम जीतती है जिसने पहले कभी आईपीएल नहीं जीता हो। दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमें अब तक आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं। यह सीजन उनके लिए एक नई शुरुआत हो सकता है। धूमल ने आगे कहा कि हर साल आईपीएल की लोकप्रियता बढ़ रही है और हमें खुशी है कि हमारे प्रशंसक इस टूर्नामेंट को खूब पसंद कर रहे हैं।

रीवा के वाहनों से महज मासिक वसूली का शुरू है काम, बाहर वालों से लूट की हद पार

आरटीओ की एंट्री वसूली में एमपी 17 को विशेष छूट बाहरी वाहनों से वसूली के लिए दोहरे मापदंड का उपयोग

गैर जिम्मेदाराना रवैए का व्यापारिक संबंधों में पड़ रहा असर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। परिवहन विभाग का संभागीय उड़नदस्ता स्क्वायड वाहन हमेशा ही बाईपास की सड़कों पर घूम घूम ट्रांसपोर्टरों के लिए मुसीबत का सबब बनता है फिर चाहे वह वाहन कहीं भी जा रहे हो या कहीं से आ रहे हों आरटीओ के उड़नदस्ता वाहन को इससे कोई मतलब नहीं होता उन्हें तो बस जबरन वाहन चेकिंग का नियम कायदा बताकर वाहनों से लूटपाट करनी होती है जिसके लिए उन्होंने वाकायदा अपना चेकिंग प्वाइंट भी बनाया हुआ जो रीवा शहर से कुछ दूरी पर स्थित रायपुर बाईपास या जोगिनिहाई टोल प्लाजा बना हुआ है जहां पर आने जाने वाले वाहनों की जबरन चेकिंग कर उनसे अवैध राशि एकत्रित की जाती है परंतु यहां पर बात महज अवैध वसूली की नहीं है क्योंकि अवैध वसूली तो आरटीओ विभाग की मुख्य कमाई है इसलिए इसमें कुछ कहना उचित नहीं होगा।

आरटीओ विभाग की अवैध कमाई से ज्यादा यहां चिंता होती है ट्रांसपोर्टरों से दोहरे व्यवहार की क्योंकि आरटीओ विभाग के जो नियुक्त कर्मचारी इस परिवहन स्क्वायड वाहन में सवार रहते हैं वह दोहरे मापदंड के साथ वाहनों की चेकिंग भी करते हैं जिससे दूर दराज से रीवा के अंदर प्रवेश करने वाले ट्रांसपोर्टर परेशान होते हैं ऐसे में रीवा शहर की बदनामी के साथ ही यहां के व्यापार को भी नुकसान पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है

बताया जा रहा है कि आरटीओ विभाग की उड़नदस्ता वाहन में बैठे साहब लोग चेकिंग के नाम पर बाहरी वाहनों को रोककर उनसे मनमाना राशि की वसूली करते हैं जिससे बाहर के जिलों और राज्यों से रीवा में प्रवेश करने वाले वाहन मालिक ज्यादा परेशान होते हैं और वह इस वसूली से तंग होने के कारण रीवा से व्यापारिक संबंधों की खटास समझने लगते हैं।

दरअसल रीवा आरटीओ विभाग की उड़नदस्ता वाहन के द्वारा यहां के लोकल वाहनों को मासिक एंट्री के नाम पर छोड़ दिया जाता है और वहीं रीवा वाले वाहनों का भार भी बाहर से रीवा में प्रवेश करने वाले वाहनों को उठाना पड़ता है जिससे अन्य राज्यों से यहां आने वाले लोग परेशान होते हैं।

जानकारी के अनुसार देश के अलग अलग हिस्सों से रीवा के लिए सामानों को सप्लाई करने वाले हैवी वाहन अक्सर यहां आते हैं परंतु उनसे व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने की खातिर अच्छे से पेश आने की बजाय आरटीओ विभाग के कर्मचारियों के द्वारा मुजरिमों सा व्यवहार किया जाता है जिसकी वजह से वह दोबारा रीवा आने की सोचने से भी डरते हैं।

बनारस रेलवे स्टेशन की समस्या बनी रीवा के लिये सौगात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से बांद्रा के बीच चलने वाली ट्रेन एक बार फिर पटरी पर वापस लौटने वाली है। इस ट्रेन को रीवा से छीनकर बनारस को दे दिया गया था, लेकिन बनारस से लेने से हाथ खड़े कर दिए हैं। ऐसे में फिर ट्रेन बांद्रा से रीवा के बीच संचालित होगी। बांद्रा से रीवा के बीच चलने वाली ट्रेन गुरुवार को बांद्रा रेलवे स्टेशन से निकलती थी और शुक्रवार सुबह 7 बजे रीवा आती है।

रीवा से 11 बजे वह बांद्रा के लिए रवाना होती थी। रेलवे इस ट्रेन को रीवा से छीनकर बनारस को दे दिया था और बांद्रा से बनारस के बीच ट्रेन के संचालन के आदेश जारी हुए। बांद्रा से एक ट्रिप ट्रेन बनारस गई थी लेकिन उसके बाद बनारस रेलवे स्टेशन ने अपने पास स्थान का अभाव बताकर इसे लेने से हांथ खड़े कर दिए जिससे बांद्रा से बनारस के बीच ट्रेन को कैंसिल कर दिया गया। अब यह ट्रेन एक बार फिर रीवा से बांद्रा के बीच चलेगी जिसका लाभ रीवा के लोगों को मिलेगा।

शासकीय जमीन पर रातों रात अतिक्रमण से तनाव की स्थिति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जनपद क्षेत्र के पुरास गांव में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने की है। कलेक्टर के पास की गई शिकायत में कहा गया है कि गांव में सरकारी भूमि स्थित थी जहां पर उप स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जाने की मांग की जा रही थी। उसी स्थान पर अब गांव के कई लोगों ने झोपड़ी और मकान बनाना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इन अतिक्रमणकारियों में सरपंच रामभजन साकेत भी शामिल है। सरपंच की ओर से भी एक झोपड़ी बनाई जा रही है। कहा गया है कि उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण तालाब के पास कराने की बात सरपंच द्वारा की जा रही है। यह भी आरोप लगाया है कि इस अतिक्रमण के चलते गांव में तनाव की स्थिति बनती जा रही है। जिससे कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है।

मऊगंज में हुए हादसे ने लूट ली दो घरों की खुशियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटरा-मऊगंज मुख्य मार्ग में लालगंज के समीप सड़क हादसे में एक बाइक सवार 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जबकि मृतक का भाई घायल हो गया। युवक की मौत के बाद दो घरों की खुशियां एक साथ मातम में बदल गई। दरअसल युवक का 2 मई को तिलक था और 6 मई को शादी होने वाली थी। जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 8 बजे तारी मुजरा गांव निवासी लवकुश कुशवाहा अपने भाई अमित कुशवाहा के साथ नईगढ़ी थाना क्षेत्र के मधवा गांव रिश्तेदारी में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तभी कटरा-मऊगंज मुख्य मार्ग में लालगंज के समीप पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे लवकुश कुशवाहा और बाइक में पीछे बैठा भाई अमित कुशवाहा सड़क से दूर जा गिरे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची नईगढ़ी पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नई गढ़ी में भर्ती कराया। जहां गंभीर रूप से घायल लवकुश कुशवाहा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं अमित कुशवाहा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

जल संरक्षण के सभी कार्य 5 मई तक प्रारंभ कराने व बैठक में अनुपस्थित उपयंत्री की सेवा समाप्ति के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने जल संरक्षण के सभी कार्यों को 5 मई तक अनिवार्यतः प्रारंभ करने तथा लक्ष्य अनुरूप कार्यों की साप्ताहिक कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कार्ययोजना में शामिल खेत तालाब, अमृत सरोवर सहित अन्य जल संरक्षण के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि नियत समय सीमा में कार्य प्रारंभ न होने व टीएस व एएस जारी न होने पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के एक माह पूर्ण होने पर भी एंबित एएस और टीएस पर नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि 31 मई तक कोई कार्य लंबित न रहे। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित जवा जनपद के उपयंत्री जयशंकर पटेल की संविदा सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने जिला पंचायत के मनरेगा प्रभारी को सतत मानीटरिंग करने तथा जनपद के एपीओ को एक-एक कार्य की वस्तुस्थिति से अवगत रहने के निर्देश दिए। उन्होंने वृक्षारोपण के लिए कम्युनिटी पौधारोपण हेतु स्थल चिन्हित करने तथा बोरवेल रिचार्ज के सोकपिट पूर्ण किए जाने के निर्देश बैठक में दिए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चिन्हित कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आद्योगिक इकाईयों में 15 मई तक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम न बनाने वाली इकाईयों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है। इसमें शामिल सभी विभाग जल संरक्षण की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहें। प्रत्येक दिन के कार्य की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप पर अच्छे फोटोग्राफ के साथ उपलब्ध कराएं। जनसम्पर्क अधिकारी जल संरक्षण की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन अभियान के तहत नहरों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य प्राथमिकता से कराएं। वन मण्डलाधिकारी जल गंगा अभियान के दौरान वन क्षेत्र के जल स्रोतों की साफ-सफाई, स्टापडैम, चेकडैम तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराएं। वृक्षारोपण की भी पूरी तैयारी कर लें। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित न्यायालय भवन का लोकार्पण 4 मई को, उप मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का 4 मई को रीवा जिले का भ्रमण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री रीवा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रीवा के नवनिर्मित न्यायालय भवन का लोकार्पण कार्यक्रम भी 4 मई को प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन कोर्ट परिसर का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा में बारदानें के अभाव में खरीदी केन्द्रों में किसान परेशान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के 78 गेहूं उपार्जन केन्द्रो में किसानों की भीड़ लगी हुई है, बावजूद इसके उनकी फसल की तौल नहीं हो रही है। दरअसल पिछले तीन दिन से बारदानें के अभाव में जिले के खरीदी केन्द्रों में खरीदी प्रभावित है। ऐसे में किसान बारदाने के इंतजार में बैठे हैं। वहीं अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं हैं कि बारदाने की आपूर्ति कब होगी। जबकि खरीदी के पांच दिन शेष रहते किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में किसानों की समस्या बढ़ गई है। बतादें कि जिले में इस बार गेहूं की फसल देरी से आने के कारण है पहले खरीदी केन्द्रों में कम संख्या में किसान पहुंच रहे थे। वर्तमान गेहूं की फसल की 90 फीसदी तक गहाई होने के कारण उपार्जन केन्द्रों में अचानक आवक बढ़ गई है। वहीं 78 में से 33 खरीदी केन्द्रों में पिछले तीन दिनों से बरदाने नहीं होने के कारण खरीदी नहीं हो पा रही थी।

दो बाइक की टक्कर में एक मासूम की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत रतहरा के समीप हुए [ड्डस्रस्र] सड़क हादसे में एक 9 साल के बच्चे की जान चली गई, जबकि दंपति सहित एक बच्चा घायल है, जिनका उपचार संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया कि बाइक से सभी लोग ग्राम कुइयांकला थाना मनगवां से रीवा के उर्रहट मोहल्ला आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे सभी लोग सड़क पर जा गिरे। इस दौरान सालवी पटेल गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे गंभीर अवस्था में संजय गांधी अस्पताल लाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

विवाह घरों का निरीक्षण करने पहुंचे निगमायुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में संचालित होने वाले विवाह घरों में गाइडलाइन का पालन कराने के लिए अब खुद निगमायुक्त डॉक्टर सौरभ सोनवड़े सड़कों पर उतर आए हैं। बुधवार की रात निगमायुक्त वैवाहिक कार्यक्रम के बीच विवाह घरों का निरीक्षण करने जा पहुंचे।

उन्होंने शहर के संस्कृत ग्रीन गार्डन, यूकेएस पैलेस, प्रणय वाटिका, लक्ष्मी गार्डन, लैंडमार्क, हनुमान वाटिका और राजवाड़ा पैलेस सहित अन्य मैरिज गार्डन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पार्किंग व्यवस्था, अग्निशमन सुरक्षा, बल्क वेस्ट और अनुमति पत्रों की जानकारी ली। इस दौरान कई मैरिज गार्डनों में खामियां भी पाई गई। इस पर नगर निगम आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित मैरिज गार्डन के संचालकों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिना लाइसेंस और मानकों का उल्लंघन करने वाले मैरिज गार्डन पर ना सिर्फ जुर्माना लगाया जाएगा बल्कि उन्हें सील करने की भी कारवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के लिए अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 मई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम में नवीन सर्किट हाउस तथा नवीन न्यायालय भवन के लोकार्पण का कार्यक्रम शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ यादव जवा तहसील के ग्राम नष्टिगवां (दिव्यगवां) में भगवान बिरसामुण्डा शासकीय महाविद्यालय भवन का लोकार्पण भी करेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के लिए विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। ग्राम नष्टिगवां में कालेज भवन के लोकार्पण तथा आमसभा की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिए आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े को तैनात किया गया है। उनके सहयोग के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर को तैनात किया गया है। नवीन न्यायालय भवन के लोकार्पण के लिए अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को समस्त व्यवस्थाओं का प्रभारी बनाया गया है।

नवीन न्यायालय भवन के लोकार्पण समारोह में समस्त व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी एसडीएम हुजूर वैशाली जैन को दी गई है। डॉ अनुराग तिवारी एसडीएम गुढ़ को सर्किट हाउस के लोकार्पण, रीवा एयरपोर्ट, एवं हेलीपैड के लिए तैनात किया गया है। इसके साथ-साथ हेलीपैड दिव्यगवां में एसडीएम त्योंथर संजय जैन, सभा स्थल नष्टिगवां में सेक्टर व्यवस्था के प्रभारी के रूप में एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी तथा एसडीएम जवा पीयूष भट्ट को तैनात किया गया है। इन्हें सहयोग देने के लिए राजस्व विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी तैनात किए गए हैं।

घायल आरक्षक का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे डिप्टी सीएम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के निजी अस्पताल में भर्ती घायल आरक्षक का हालचाल जानने के लिए डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डॉक्टर्स से आरक्षक के स्वस्थ की जानकारी ली। इस दौरान आईजी गौरव राजपूत भी मौजूद रहे। बताया गया है कि गोली लगने से घायल आरक्षक के स्वास्थ में सुधार हो रहा है। बतादें कि सतना जिले के जैतवारा थाना परिसर में आधी रात को नकाबपोश युवक ने हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी थी।

टीआरएस कॉलेज में पेयजल सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के टीआरएस कॉलेज में एनएसयूआई छात्रों ने आज एक बार फिर विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई छात्रों ने टीआरएस कॉलेज में पेयजल की व्यवस्था बनाने सहित कई अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने कॉलेज के मुख्य द्वार पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है। बतादें कि पिछले दो वर्षों से लगातार कॉलेज के छात्र सहित छात्र संगठन पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। छात्रों ने भीषण गर्मी में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था, क्लास रूम के बंद पड़े पंखों को चालू कराने और कॉलेज के सभी डिपार्टमेंट के बाहर वाटर कूलर लगाने और नियमित क्लास लगाने की भी मांग की है। इसके अलावा ज्ञापन के माध्यम से महाविद्यालय के बॉटनी विभाग की एक महिला प्रोफेसर के द्वारा छात्रों से अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। छात्र संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से कॉलेज प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं होती हैं, तो वह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी कॉलेज प्रबंधन की होगी।

चित्रकूट में नहाते समय डूबा युवक, आधार कार्ड से हुई पहचान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के चित्रकूट में गुरुवार सुबह मंदाकिनी नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ। [ड्डस्रस्र] मृतक की पहचान कानपुर देहात के कटका निवासी रमाशंकर अवस्थी के रूप में हुई है। नगर परिषद की स्वच्छता टीम को सुबह 8 बजे भरत घाट आरती स्थल के सामने शव मिला। पुलिस ने कपड़ों में मिले आधार कार्ड और मोबाइल नंबर से मृतक की शिनाख्त की। टीआई डी आर शर्मा के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ये अनुमान लगाया गया है कि रमाशंकर रात करीब 12 बजे नहाते समय डूब गए होंगे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।